प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

INS ACCREDITED
यूंनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-151 | सांध्य दैनिक | मथुरा, सोमवार, 27 जुलाई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

गिरिराज सेवा में जुटा प्रशासन, आस्था और कर्तव्य का अद्भुत संगम

डीएम और एसएसपी ने कंट्रोल रूम से परखे मेला के इंजताम

हर कोई आस्था के वशीभूत सेवा भाव से मेला में निभा रहा ड्यूटी

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन की पावन धरा पर चल रहे मुड़िया पूर्णिमा मेले में इस बार केवल श्रद्धालुओं का ही नहीं, बल्कि प्रशासनिक अधिकारियों का भी सेवा भाव देखने को मिल रहा है। जिला प्रशासन के अधिकारी दिन–रात व्यवस्थाओं की निगरानी करने के साथ–साथ गिरिराज महाराज की सेवा और भक्ति में भी पूरे भाव से जुटे हैं। डीएम चंद्रप्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार मेले की व्यवस्था को देख रहे हैं। मेला में जाकर कंट्रोल रूम से इंतजाम भी परखे जा रहे हैं, जिससे श्रद्धालुओं को असुविधा न हो और व्यवस्थाएं बेहतर संचालित होती रहें।

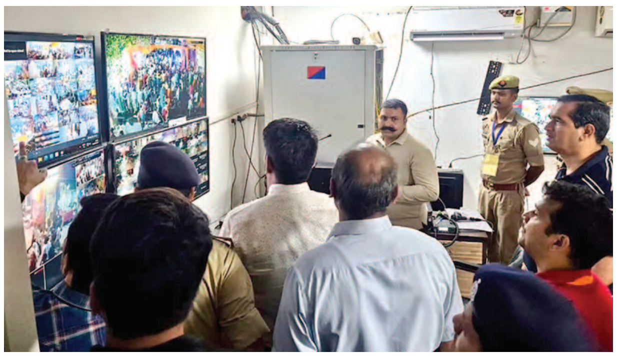

कंट्रोल रूम में लगे सीसीटीवी से गोवर्धन परिक्रमा मार्ग का हाल देखते डीएम सीपी सिंह।

मेला ड्यूटी में जुटे कई अधिकारियों का कहना है कि उन्हें यह जिम्मेदारी केवल सरकारी कार्य नहीं, बल्कि गिरिराज महाराज की सेवा का दुर्लभ अवसर प्रतीत होती है। अधिकारियों के अनुसार, ड्यूटी के साथ–साथ उन्हें प्रतिदिन दानघाटी और मुखारविंद में दर्शन–पूजन करने और परिक्रमा लगाने का भी सौभाग्य मिल रहा है। संत–महात्माओं के सान्निध्य ने उनके मन को आध्यात्मिक संतोष से भर दिया है। उनका मानना है कि गिरिराजजी की सेवा का अवसर हर किसी को नहीं मिलता और यह उनके जीवन का यादगार अनुभव बन गया है।

दूसरी ओर, मेले में सेवा की भावना का अद्भुत वातावरण दिखाई दे रहा है। परिक्रमा मार्ग पर अनेक सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं ने सेवा शिविर लगाए हैं। कहीं श्रद्धालुओं के लिए भोजन के भंडारे चल रहे हैं, कहीं शीतल जल और शर्बत की व्यवस्था है, तो कहीं विश्राम और प्राथमिक चिकित्सा की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। हजारों स्वयंसेवक बिना किसी स्वार्थ के श्रद्धालुओं की सेवा में लगे हैं। कल श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ने की संभावना को देखते हुए प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क है। गोवर्धन में इन दिनों आस्था, सेवा और सुचारु प्रशासन का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। मेला का समापन 29 जुलाई को मुड़िया संतों की परिक्रमा के साथ होगा।

गौ सम्मान की मांग पर मथुरा से उठी बुलंद आवाज

कलेक्ट्रेट में गौ माता के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में गाय के साथ गौ सेवक आदि।

कलेक्ट्रेट में तख्ती के साथ मौजूद संत।

गौ सम्मान आह्वान अभियान, संत–गौ सेवकों ने सौंपे 21 लाख हस्ताक्षर

यूनिक समय, मथुरा। गौमाता की सेवा, सुरक्षा और सम्मान से जुड़ी मांगों को लेकर चल रहे गो सम्मान आह्वान अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत सोमवार को संत–महात्माओं, गौसेवकों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने डीएम के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के साथ जनपद के लगभग 21 लाख से अधिक नागरिकों के हस्ताक्षर भी शामिल किए गए।

अभियान की प्रमुख मांगों में गौहत्या–निषेध के लिए केंद्रीय कानून, गौमाता को राष्ट्रमाता का सम्मान, केंद्रीय गौ मंत्रालय की स्थापना, गोचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराना और गौ–आधारित राष्ट्रीय नीति लागू करना शामिल है। कार्यक्रम का शुभारंभ गौमाता के पूजन, शंखनाद और श्रीराम जय राम जय जय राम मंत्रोच्चार के साथ हुआ।

इसके बाद गोभक्तों ने भजन–कीर्तन, झंडे, बैनर और संदेश–पट्टिकाओं के साथ शांतिपूर्ण प्रार्थना यात्रा निकालते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। यात्रा में भगवान श्रीकृष्ण–बलराम और गौमाता की झांकियां भी आकर्षण का केंद्र रहीं।

डीएम चंद्रप्रकाश सिंह ने बाहर आकर स्वयं संतों से ज्ञापन प्राप्त किया। जिले में गौमाता के सम्मान और संरक्षण के लिए हरसंभव प्रयास करने की बात भी कही। अभियान से जुड़े प्रतिनिधियों ने कहा कि गौमाता भारतीय संस्कृति, कृषि, पर्यावरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार हैं। जनभावनाओं के अनुरूप निर्णय होने तक यह जनजागरण अभियान शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से जारी रहेगा।

इस अवसर पर मुख्य रूप से पीपाद्वाराचार्य संत बाबा बलराम दास, संत माधव दास मौनी कोटवन, परमेश्वर दास, आचार्य श्री कौशिक, श्री पंडित बाबा बरसाना, मृदुलकांत, रमाकांत, देवस्वरूपानंद, शिवराम दास, दशरथ दास हनुमान टेकरी, गणेश दास श्रीराम सेवा आश्रम, धन्वन्तरि दास, सनत कुमार दास, मोहिनी शरण, हरिओम ध्यानमूर्ति, वेदानंद, विहिप के कन्हैयालाल सहित संत–महात्मा, विभिन्न सामाजिक-धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि, मातृशक्ति, युवा, किसान, व्यापारी, जनप्रतिनिधि,बड़ी संख्या में गोभक्त उपस्थित रहे।

सोमवार को डीएम कार्यालय पर गौ के सम्मान में हुए कार्यक्रम में मौजूद मान मंदिर की बेटियां।

गौ माता के सम्मान में प्रदर्शन करते हुए कलेक्ट्रेट जाते गो सेवक आदि।

दुसायत क्षेत्र में पीपल का पेड़ भरभराकर गिरा, दो कार दबी

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर के निकट दुसायत क्षेत्र स्थित एक पार्किंग परिसर में आज पुराना पीपल का पेड़ भरभरा कर गिरने से अफरा-तफरी मच गई। चपेट में पेड़ के नीचे खड़ी दो कार आ गई।

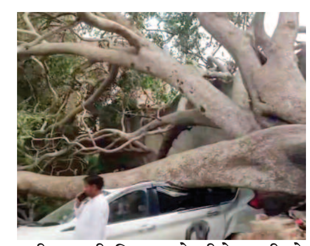

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुसायत क्षेत्र में गोपाल कार पार्किंग है। पार्किंग परिसर में पुराना पीपल का पेड़ खड़ा था। किसी को आभास ही नहीं था कि पेड़ भरभराकर गिर पड़ेगा। आज अपरान्ह के वक्त पेड़ भरभराकर गिरा तो हर कोई अवाक रह गया। यह तो गनीमत रही कि उसके नीचे खड़ी दो कार ही आई। किसी अन्य के दबने की खबर नहीं मिली। लोगों का कहना है कि यह तो गनीमत थी कि पेड़ पार्किंग स्थल के अंदर गिरा, यदि वह बाहर तरफ गिरता तो बड़ा हादसा हो सकता था।

GLA UNIVERSITY
Recognised by UGC Under Section 2(f) & 12B Status
Accredited with A+ Grade by NAAC
Mathura | Greater Noida
29 Years EDUCATIONAL EXCELLENCE
ADMISSIONS OPEN 2026-27
North India's 1st Google Agentic AI University
Powered by
Gemini Enterprise Edu for Campus | Google Cloud Digital Campus-GCDC 4.0
INDUSTRY LEARNING PARTNERS
Microsoft GenAI Campus
Capgemini Code Experience Centre
intel Unnati Centre of Excellence in AI and Analytics
wipro Centre of Excellence in ServiceNow
Tech Mahindra Centre of Excellence in Cloud Technology
NEC Centre of Excellence in High Performance Computing
aws academy Member Institution | IBM
MBA-Logistics & Supply Chain Management
ISDC BBA-DABI & MBA-Business Analytics Programs
IoA Institute of Analytics BBA-DABI & MBA-Business Analytics Programs
AAFM INDIA MBA-Financial Markets & Banking Program
GrantThornton Digital Marketing
cesim Business Simulations & Capstone Projects
THE HINDU | Business Standard
Mathura Campus: 17km Stone, NH-44, Mathura -Delhi Road, P.O. Chaumuhan, Mathura-281406 (U.P.) India
Gr. Noida Campus: 15 A, Knowledge Park - II, Greater Noida - 201310 (U.P.) INDIA
EMPOWER YOUR GROWTH WITH GLA ONLINE | Find details at: online.gla.ac.in
+91-9027068068 | Visit us: www.gla.ac.in

झुग्गियों तक पहुंची शिक्षा की अलख

छह बच्चों का स्कूल में हुआ दाखिला

यूनिक समय, मथुरा। शिक्षा का उजियारा अब झुग्गी–झोपड़ियों तक पहुंचने लगा है। बीएसए रतन कीर्ति के निर्देश पर प्राथमिक विद्यालय राया की शिक्षिका पूजा और उनकी टीम ने ऐसी मिसाल पेश की है, जिसकी चारों ओर सराहना हुई। टीम ने झुग्गी–झोपड़ियों में रहने वाले परिवारों तक पहुंचकर बच्चों की शिक्षा का महत्व समझाया और अभिभावकों को अपने बच्चों का स्कूल में दाखिला कराने के लिए प्रेरित किया।

सोमवार को चलाए गए संपर्क अभियान के दौरान टीम ने झुग्गी बस्तियों में रहने वाले छह नए परिवारों से मुलाकात की। शिक्षकों ने अभिभावकों से संवाद कर उन्हें सरकारी विद्यालयों में मिलने वाली सुविधाओं और शिक्षा के महत्व की जानकारी दी।

झुग्गी–झोपड़ियों में बच्चों को पढ़ाने के लिए प्रेरित करतीं प्राथमिक विद्यालय राया की शिक्षिका पूजा।

छह बच्चों का प्राथमिक विद्यालय में नामांकन कराया गया।

विद्यालय की इस पहल ने यह साबित कर दिया कि यदि शिक्षक संकल्प और समर्पण के साथ कार्य करें तो शिक्षा से दूर बच्चों को भी मुख्यधारा से जोड़ा जा सकता है। बीएसए रतन कीर्ति ने कहा कि प्रत्येक बच्चा शिक्षा का अधिकार रखता है। कोई भी बच्चा केवल जागरूकता की कमी या आर्थिक परिस्थितियों के कारण शिक्षा से वंचित न रहे, इसके लिए विभाग लगातार प्रयास कर रहा है। उन्होंने शिक्षकों से घर–घर संपर्क कर अधिक से अधिक बच्चों का विद्यालयों में नामांकन के लिए कहा है।

बीएसए के निर्देश पर प्राथमिक विद्यालय राया की टीम ने घर–घर जाकर अभिभावकों को किया जागरूक

जौहर यूनिवर्सिटी बचाने को डीएम को दिया ज्ञापन

जौहर यूनिवर्सिटी बचाने की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट में ज्ञापन देने आए सपना अल्पसंख्यक सभा के पदाधिकारी।

सपा अल्पसंख्यक सभा ने राज्यपाल से की कार्रवाई रोकने की मांग

यूनिक समय, मथुरा। समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के प्रतिनिधिमंडल ने रामपुर स्थित मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों को ध्वस्त किए जाने की प्रस्तावित कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने की मांग को लेकर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के नाम ज्ञापन डीएम को सौंपा।

ज्ञापन में जिलाध्यक्ष गजीम अब्बासी और महानगर अध्यक्ष जमील खां ने कहा कि जौहर यूनिवर्सिटी हजारों विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान कर रही है, उसके भवनों को ध्वस्त करने की कार्रवाई छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगी। उन्होंने कहा कि यदि निर्माण या भूमि संबंधी कोई विवाद है तो उसका समाधान विधि सम्मत प्रक्रिया के तहत किया जाना चाहिए, न कि शैक्षणिक गतिविधियों को प्रभावित करके। इस दौरान सुभाष सैनी, रासबिहारी अग्रवाल, अंगद सिंह, हमीद, संतोष यादव, दमरान, आरिफ, आबिद, मुस्कान, नेत्रपाल जाटव, असलम, डा. राजन रिजवी, अशोक, शबनम आदि पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

परिक्रमा के दौरान परिक्रमार्थी को आया हार्ट अटैक, मौत

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन में परिक्रमा करने के दौरान आगरा के एक व्यक्ति की हृदय गति रुक जाने के कारण मौत हो गई। परिवार के लोग शव को आगरा ले गए। खेरागढ़ के रहने वाले राजेंद्र सिंह(55) रविवार की रात परिक्रमा कर रहे थे। अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। वह अचेत होकर जमीन पर गिर गए। राजेंद्र सिंह के साथ हादसा उस समय हुआ, जब वह अपने परिवार के साथ जतीपुरा क्षेत्र में परिक्रमा कर रहे थे। परिवार के लोग एम्बुलेंस से सीएचसी पर ले गए। इस दौरान उनकी मौत हो चुकी थी। चिकित्सकों ने परिक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनकी मौत से परिवार के लोगों बेहद दुखी थे। सीएचसी पर पूरी कार्रवाई करने के बाद परिवार के लोग उन्हें आगरा ले गए।

रोजगार की मांग को कलेक्ट्रेट पहुंचे दिव्यांग

मांगों को लेकर सोमवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे दिव्यांगजन।

यूनिक समय, मथुरा। सोमवार को दिव्यांग सोसायटी के बैनर तले दिव्यांगजन कलेक्ट्रेट पहुंचे। रोजगार और आवास समेत कई मांगों को लेकर डीएम को ज्ञापन सौंपा।

संगठन की जिलाध्यक्ष कल्पना ठाकुर के नेतृत्व में पहुंचे दिव्यांगजनों ने बताया कि उनके सामने जीवन यापन से जुड़ी समस्याएं होने से वह कष्ट में हैं। इसलिए दिव्यांगजनों को रोजगार उपलब्ध कराया जाए। इसके अलावा दिव्यांगजनों को आवास उपलब्ध कराए जाएं, निःशुल्क बिजली दी जाए, जिससे बेहतर जीवन जी सकें। दिव्यांगजनों ने इस दौरान आरक्षण, आयुष्मान कार्ड बनाने, आरडब्ल्यूडी अधिनियम 2016 लागू करने की मांग उठाते हुए अंत्योदय राशन कार्ड बनवाने की मांग रखी। इस दौरान काफी संख्या में दिव्यांगजन मौजूद रहे।

परिक्रमा में बच्चे पर किया बंदर ने हमला

यूनिक समय, गोवर्धन। परिक्रमा करने के लिए मध्य प्रदेश से आए एक चार वर्षीय बालक पर बंदर ने हमला कर दिया। बंदर के काटने से बुरी तरह से घायल हुए बालक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। मध्य प्रदेश के बारां जिले के निवासी मोहन लाल का पुत्र वरुण (4) अपनी मां और दादी के साथ गोवर्धन में परिक्रमा के लिए आया था। परिक्रमा मार्ग पर एक हिंसक बंदर ने बच्चे पर हमला कर दिया। बंदर ने उसे कई स्थानों पर काट कर बुरी तरह से घायल कर दिया। परिवार के लोग बच्चे को लेकर पास के अस्थाई स्वास्थ्य शिविर में लेकर पहुंचे। शिविर में बच्चे को चिकित्सक और स्टाफ ने प्राथमिक उपचार देकर सीएचसी एम्बुलेंस से भेज दिया। बताया गया कि वह बच्चे को रैबीज का इंजेक्शन न होने की बात कहकर कंपाउंडर ने बाहर बिठा दिया। परेशान बच्चे की मां ने सीएचसी प्रभारी डॉक्टर नेहा चौधरी से शिकायत की। इस पर उन्होंने तुरंत रैबीज इंजेक्शन की व्यवस्था कराई और बच्चे को इंजेक्शन लगवाया।

फरह में भंडारा 29 को

यूनिक समय, मथुरा। गुरु पूर्णिमा पर 29 जुलाई को मौनी महाराज की स्मृति में भंडारा आयोजित होगा। भाजपा के मंडल महामंत्री परमानंद अग्रवाल ने बताया कि गांव गढ़ाया स्थित श्री मौनी बाबा ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट के परिसर में गुरु पूर्णिमा पर दोपहर तीन बजे से वार्षिक गुरु पर्व भंडारा आयोजित होगा। उन्होंने श्रद्धालुओं से प्रसाद ग्रहण करने की अपील की है।

पुलिस पर फायरिंग करने वाले बदमाश को सात साल की कैद

पचास हजार का जुर्माना भी लगाया

यूनिक समय, मथुरा। अपर सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रेक कोर्ट द्वितीय सुशील कुमार ने पुलिस पर फायरिंग करने वाले एक अभियुक्त को सात साल की कैद और पचास हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

विशेष लोक अभियोजक राम पाल सिंह ने बताया कि सात सितंबर 2016 को उप निरीक्षक अरविंद प्रताप सिंह हमराहों के लेकर दौताना पिकेट पर आए। वहां वांछित अपराधियों के बारे में जानकारी कर रहे थे। इसी बीच सूचना आई कि शातिर बदमाश साहून का गैंग स्कार्पियो से आ रहा है। इस जानकारी पर उप निरक्षक ने थाने को सूचना दी, पिकेट और गश्ती पुलिस पार्टियों को बुलाया। बताया गया था कि बदमाश नगरिया और गढ़ी दौताना की ओर से आ रहे हैं। पुलिस पार्टी ने दौताना चौराहे पर बदमाशों की घेराबंदी की। स्कार्पियो को आते देख पुलिस ने टार्च का इशारा देकर गाड़ी को रुकने का इशारा दिया। गाड़ी में सवार बदमाशों ने देखा पुलिस है तो फायरिंग करना शुरू कर दिया। इसके साथ ही गाड़ी को डिवायडर पर चढ़ा कर भागने लगे। पुलिस पार्टी ने भी बदमाशों पर गोलियां चलाई। इसके बाद अंधेरा का फायदा उठाकर बदमाश भाग गए। इस मामले में अभियुक्तों के खिलाफ पुलिस मुठभेड़ का मुकदमा दर्ज कराया गया। पुलिस ने शेर खां निवासी विशंभरा थाना शेरगढ़ सहित अन्य बदमाशों के खिलाफ आरोप पत्र कोर्ट में पेश किया। मुकदमे की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रेक कोर्ट द्वितीय सुशील कुमार के न्यायालय में हुई। न्यायाधीश ने गवाहों की गवाही और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त शेर खां को उक्त सजा से दंडित किया। सजा में जेल में बिताई गई अवधि को सजा में समायोजित करने के आदेश दिए।

सीएचसी मांट में नवजात की मौत, परिजनों ने काटा हंगामा

यूनिक समय, सुरीर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मांट में नवजात शिशु की मौत के बाद सोमवार सुबह परिजनों और ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। परिजनों ने स्वास्थ्य कर्मियों पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया, जबकि अस्पताल प्रशासन ने आरोपों से इन्कार करते हुए कहा कि शिशु मृत अवस्था में पैदा हुआ था।

जानकारी के अनुसार, गांव नंद नगरिया निवासी भूदेवी पत्नी रिंकू को रविवार शाम प्रसव पीड़ा होने पर सीएचसी मांट में भर्ती कराया गया। रात करीब नौ बजे उन्होंने एक पुत्र को जन्म दिया।

नवजात की मौत के बाद हंगामा करते परिजन आदि।

परिजनों का आरोप है कि जन्म के समय शिशु पूरी तरह स्वस्थ था, लेकिन कुछ देर बाद अस्पताल कर्मियों ने उसकी हालत गंभीर बताते हुए उसे तत्काल किसी बड़े अस्पताल ले जाने की सलाह दी।

परिजन शिशु को तत्काल वृंदावन के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद सोमवार सुबह बड़ी संख्या में परिजन और ग्रामीण सीएचसी मांट पहुंचे और स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए लापरवाही का आरोप लगाया। परिजनों का कहना था कि यदि समय रहते उचित उपचार मिलता तो शिशु की जान बचाई जा सकती थी।

हंगामे के दौरान रात की ड्यूटी पर

परिजनों ने स्वास्थ्य कर्मियों पर लगाया लापरवाही का आरोप

तैनात स्वास्थ्य कर्मियों के बयानों में भी अंतर देखने को मिला, जिससे परिजनों का आक्रोश और बढ़ गया। वहीं, सीएचसी प्रभारी डॉ. जीतेश तिवारी ने बताया कि नवजात मृत अवस्था में पैदा हुआ था। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों पर लगाए गए सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि अस्पताल में नियमानुसार चिकित्सकीय प्रक्रिया अपनाई गई थी। फिलहाल मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। परिजन घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

सड़क दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत

बाइक सवार दंपति को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, पति की मौत

दुर्घटना में ढाबे पर काम कर साइकिल से लौटता युवक मरा

यूनिक समय, मथुरा। बीती रात दो अलग–अलग स्थानों पर हुई सड़क दुर्घटनाओं में दोस्त से मिलकर पत्नी के साथ घर के लिए लौट रहे बाइक सवार को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में पति की मौत हो गई, जबकि पत्नी घायल हो गई। दूसरी दुर्घटना में रात को ढाबे पर काम करके लौटते साइकिल सवार को किसी वाहन ने रौंद दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

थाना गोवर्धन के माधुरी कुंड में रहने वाले छुट्टेन सिंह कल अपनी पत्नी सूरज मुखी के साथ मथुरा में रहने वाले अपने किसी मित्र के घर मिलने के लिए गए थे। वहां से बाइक से लौटते समय रात को मथुरा–गोवर्धन रोड पर थाना हाईवे के विंटेज सिटी के समीप किसी वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में मौके पर ही छुट्टन सिंह की मौत हो गई, जबकि पत्नी गंभीर घायल हो गई। मौके पर पहंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गंभीर घायल महिला को एम्बुलेंस से अस्पताल में भर्ती कराया। महिला का इलाज चल रहा है।

दूसरी दुर्घटना में थाना जैंत के गांव जैंत के समीप हुई। बताया गया कि जैंत का रहने वाला सोनू (22) कामनी होटल (ढाबे) पर काम करता था। रात को करीब 12 बजे वह होटल से काम समाप्त करने के बाद साइकल से गांव के लिए लौट रहा था। हाईवे पर जैंत के समीप साइकिल सवार युवक को किसी वाहन ने अपनी चपेट में ले लिया। दुर्घटना के बाद चालक मौके से भाग गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दुर्घटना में मृत सोनू के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मंदिर से चोरी प्रकरण में एसआइटी गठित करने की मांग

मंशा देवी मंदिर प्रकरण में डीएम को ज्ञापन देने कलेक्ट्रेट आए ग्रामीण।

ग्रामीणों ने डीएम को दिया ज्ञापन, चोरी गए सामान को लेकर जताया आक्रोश

यूनिक समय, मथुरा। सोमवार को थाना मगोर्रा के गांव पुरा में स्थापित ऐतिहासिक मां मंशा देवी से चोरी हुए चांदी के मुकुट, एसी, पंखे और अन्य सामान को लेकर ग्रामीण कलेक्ट्रेट पहुंचे और डीएम को ज्ञापन देकर प्रकरण की सच्चाई के लिए एसआइटी गठित करने की मांग उठाई। ग्रामीणों ने पुजारी पर मंदिर के कीमती सामान की चोरी का आरोप लगाया।

ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत सौनोठ जनूबी के गांव पुरा में पांडव वंशकालीन मंशा देवी मंदिर स्थापपित है। यहां से काफी संख्या में चांदी के मुकुट, एसी, घंटे और पंखे आदि सामान चोरी किया गया है। चोरी के बाद पुलिस की कार्रवाई के दौरान कुछ सामान बरामद हुआ, जिसमें लगभग 20 चांदी के छत्र और 14 छोटे पीतल के घंटे वापस मिले हैं।

ग्रामीणों का कहना था कि जब तक मंदिर का चोरी हुआ सभी सामान वापस नहीं मिल जाता, तब तक पूर्व की तरह नियमित पूजा–अर्चना शुरू नहीं की जाएगी। मंदिर में केवल परंपरागत पुजारियों द्वारा ही पूजा–अर्चना कराई जाएगी ग्रामीणों ने डीएम से चोरी की घटना की निष्पक्ष जांच के लिए एसआइटी गठित करने की मांग की। मंदिर की गरिमा बनाए रखने और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था बनाने की मांग भी की गई। ग्रामीणों ने नगला झींगा के उमेश चतुर्वेदी, अमित चतुर्वेदी पर चोरी के आरोप लगाए। मंदिर की जमीन को भी साठ साल पहले हड़पने की बात कही गई। इस दौरान मूलचंद, निहाल सिंह, जगदीश सिंह, जयपाल सिंह, वंटी कुंतल, बहादुर सिंह, नवल सिंह, छीतर सिंह, बलवीर सिंह, बहादुर सिंह, दयाराम, ओमवीर समेत दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे।

इन्वर्टर के करंट से युवक की मौत

पांच बच्चों के सिर से उठ गया पिता का साया

यूनिक समय, सुरीर, मथुरा। क्षेत्र के गांव हरनौल में रविवार शाम एक दर्दनाक हादसे में इन्वर्टर का तार लगाते समय करंट लगने से 40 वर्षीय युवक की मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार, गांव हरनौल निवासी रामकुमार (40) रविवार की शाम अपने घर पर इन्वर्टर का तार लगा रहे थे। इसी दौरान इन्वर्टर का प्लग निकालते समय अचानक तेज चिंगारी निकली और वह करंट की चपेट में आ गए। हादसे के बाद परिजन उन्हें उपचार के लिए विभिन्न अस्पतालों में लेकर पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें मथुरा रेफर कर दिया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उनकी सांसें थम गईं। मथुरा पहुंचने पर चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मृतक रामकुमार खेतीबाड़ी कर परिवार का पालन–पोषण करते थे। उनके परिवार में पत्नी और पांच छोटे–छोटे बच्चे हैं। वह तीन भाइयों में दूसरे नंबर के थे। उनकी असमायिक मृत्यु से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मृतक के घर पहुंच गए और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। गांव में शोक का माहौल बना हुआ है।

दो बाइक चोर गिरफ्तार तीन बाइक बरामद

यूनिक समय, मथुरा। थाना नौहझील पुलिस ने चेकिंग के दौरान लालपुर रोड डाक बंगले के पास कस्बा बाजना में दो अभियुक्तों को चोरी की मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार कर उससे तीन चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है।

पुलिस ने चेकिंग के दौरान आरिफ उर्फ सूरज निवासी टेढ़ी बगिया थाना खंदौली जनपद आगरा, वर्तमान निवासी धोरेला बांगर नसीर के मकान में गैस गोदाम जैंत और सोनू निवासी आजनौठ थाना नौहझील को जाते समय चोरी की मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों की निशानदेही पर छिपाई गई दो अन्य चोरी की मोटर साइकिल को डाक बंगला के अंदर से बरामद किया गया।

गिरिराज परिक्रमा में आस्था का सैलाब, हर कदम पर भक्ति का उत्सव

सोमवार को गोवर्धन में परिक्रमा देने आए श्रद्धालु उत्साह में दिखे। गोवर्धन महाराज के जयकारे लगाते श्रद्धालु।

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज की पावन धरा गोवर्धन इन दिनों मुड़िया पूर्णिमा मेले की भक्ति और आस्था में सराबोर है। चारों ओर गिरिराज महाराज की जय के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। परिक्रमा मार्ग, दानघाटी मंदिर, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और संपर्क मार्गों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। दूर-दराज के राज्यों से आए श्रद्धालु गिरिराज महाराज के दर्शन कर 21 किलोमीटर की परिक्रमा लगाकर अपने जीवन को धन्य मान रहे हैं।

परिक्रमा की शुरुआत दानघाटी मंदिर से होती है, जहां श्रद्धालु पहले गिरिराजजी की पूजा-अर्चना कर संकल्प लेते हैं और फिर नंगे पांव परिक्रमा मार्ग पर आगे बढ़ते हैं। मार्ग में भक्ति गीत, हरिनाम संकीर्तन और जयकारों की गूंज श्रद्धालुओं के उत्साह को कई गुना बढ़ा देती है। ब्रज की संस्कृति और आध्यात्मिक वातावरण हर कदम पर श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है।

गोवर्धन पहुंचने वाले अधिकांश श्रद्धालु रोडवेज बसों से यात्रा कर रहे हैं। प्रशासन की यातायात व्यवस्था के कारण बसें श्रद्धालुओं को करीब ढाई किलोमीटर पहले उतार रही हैं, जहां से वे पैदल चलकर परिक्रमा स्थल तक पहुंचते हैं। इस दौरान छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में अद्भुत उत्साह देखने को मिल रहा है। दिल्ली के चाणक्यपुरी निवासी गौरव अपने तीन वर्षीय बेटे सौरांश को कंधे पर बैठाकर परिक्रमा करते नजर आए, जिसने भक्ति और पारिवारिक स्नेह की सुंदर

दानघाटी से शुरू होकर 21 किलोमीटर परिक्रमा में उमड़ रही श्रद्धालुओं की आस्था

भक्ति के बीच मुड़िया मेला में कड़ी सुरक्षा और सुविधाओं के व्यापक इंतजाम

तस्वीर प्रस्तुत की।

मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाओं के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। करीब नौ हजार पुलिसकर्मी पूरे मेला क्षेत्र में तैनात हैं। सीसी कैमरा और ड्रोन के साथ ही आधुनिक निगरानी व्यवस्था के माध्यम से हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। परिक्रमा मार्ग पर आकर्षक प्रकाश सज्जा, स्वागत कक्ष, पेयजल, चिकित्सा और विश्राम की व्यवस्थाएं भी श्रद्धालुओं को राहत दे रही हैं।

जयपुर सहित राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और अन्य राज्यों से आए श्रद्धालुओं के समूह भजन-कीर्तन करते हुए नृत्य के साथ परिक्रमा कर रहे हैं।

पहली बार गोवर्धन पहुंचे कई श्रद्धालुओं ने बताया कि यहां का आध्यात्मिक वातावरण, सेवा भावना और ब्रजवासियों का अपनापन जीवनभर याद रहेगा। मुड़िया पूर्णिमा मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि ब्रज की संस्कृति, सेवा और अटूट आस्था का जीवंत उत्सव है।

मुड़िया शोभायात्रा के साथ जीवंत होगी ब्रज की प्राचीन परंपरा

गोवर्धन के चकलेश्वर के महाप्रभु मंदिर पर मुंडन के बाद जयकारे लगाते संत।

सोमवार को राधाश्याम मंदिर में मुंडन कराते संत रामदास आदि।

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज की धार्मिक परंपराओं और गुरु-शिष्य परंपरा की अमिट विरासत को संजोए रखने वाली ऐतिहासिक मुड़िया शोभायात्रा का आयोजन गुरु पूर्णिमा पर बुधवार को पूरे श्रद्धा और उल्लास के साथ होगा। लगभग 469 वर्ष पुरानी इस परंपरा का संबंध गौड़ीय वैष्णव संप्रदाय के महान आचार्य श्रीपाद सनातन गोस्वामी से जुड़ा हुआ है। गुरु पूर्णिमा पर निकलने वाली यह शोभायात्रा देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और संत-महात्माओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहती है।

शोभायात्रा से दो दिन पहले सोमवार को गौड़ीय वैष्णव संप्रदाय के साधु-संतों ने परंपरा के अनुसार मुंडन संस्कार

गुरु पूर्णिमा पर सुबह और शाम निकलेगी दो ऐतिहासिक मुड़िया संत शोभायात्रा

श्रीपाद सनातन गोस्वामी की स्मृति में 469 वर्षों से निभाई जा रही हैं परंपरा

कराया। मान्यता है कि श्रीपाद सनातन गोस्वामी के देहावसान के बाद उनके शिष्यों और ब्रजवासियों ने शोक और श्रद्धांजलि स्वरूप सिर मुंडवाकर गिरिराज महाराज की परिक्रमा की थी, हरिनाम संकीर्तन करते हुए शोभायात्रा निकाली थी। तभी से यह परंपरा निरंतर चली आ रही है और आज भी उसी श्रद्धा के साथ निभाई जाती है।

गुरु पूर्णिमा के दिन गोवर्धन में दो अलग-अलग मुड़िया शोभायात्राएं निकाली जाएंगी। पहली शोभायात्रा सुबह लगभग 10 बजे राधा श्याम सुंदर मंदिर से प्रारंभ होगी।

इसमें बड़ी संख्या में संत-महात्मा, वैष्णव भक्त और श्रद्धालु हरिनाम संकीर्तन करते हुए शामिल होंगे। दूसरी शोभायात्रा शाम चार बजे चकलेश्वर स्थित श्री चैतन्य महाप्रभु मंदिर से निकलेगी, जिसमें भी हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

दोनों शोभायात्राओं के दौरान भक्ति संगीत, संकीर्तन और धार्मिक उत्साह का अद्भुत वातावरण देखने को मिलेगा।

प्रशासन ने भी आयोजन को लेकर सुरक्षा और यातायात की व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। मुड़िया शोभायात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि ब्रज की सदियों पुरानी आध्यात्मिक परंपरा, गुरु भक्ति और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक है, जिसे देखने और उसमें शामिल होने के लिए हर वर्ष लाखों श्रद्धालु गोवर्धन पहुंचते हैं। वहीं, सोमवार को इस शोभायात्रा के लिए संतों ने मुंडन कराया। मुंडन का यह कार्यक्रम चकलेश्वर महाप्रभु मंदिर के अलावा संत रामदास के सानिध्य में राधा श्याम मंदिर पर हुआ।

वृंदावन में उमड़ रहे श्रद्धालु, मंदिरों पर भीड़

परिक्रमा के बाद वृंदावन की राह पकड़ रहे हैं श्रद्धालु

चारों ओर नजर आ रहा है श्रद्धा और भक्ति का माहौल

यूनिक समय, वृंदावन। गोवर्धन की परिक्रमा देने के बाद श्रद्धालु मंदिरों की नगरी का राह पकड़ रहे हैं, जिससे सुबह से रात तक वातावरण श्रद्धा और भक्ति से सराबोर हो रहा है। राधे- राधे की गूंज से माहौल पुलकित हो रहा है तो हर मंदिर पर श्रद्धालुओं के टोल दिखाई दे रहे हैं। श्रद्धालु बांके बिहारी मंदिर, प्रेम मंदिर, इस्कॉन मंदिर, राधारमण मंदिर और अन्य प्रमुख मंदिरों में दर्शन-पूजन कर धन्य मान रहे हैं।

मुड़िया पूर्णिमा पर बड़ी संख्या में भक्त गोवर्धन की परिक्रमा करने के बाद ब्रज के अन्य मंदिरों के दर्शन को पहुंच रहे हैं। ऐसे में वृंदावन के अलावा बरसाना, नंदगांव, गोकुल, महावन, बल्देव, मथुरा के मंदिरों भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी का जयघोष कर रहे हैं, जिससे पूरा ब्रज क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में रंग गया है।

ट्राली को डबल डेकर बनाकर बल्देव दर्शन को जाते श्रद्धालु।

डबल डेकर बन गए ट्रैक्टर-ट्राली

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन परिक्रमा और ब्रज दर्शन की चाह लेकर आने वाले श्रद्धालु गुरु पूर्णिमा तक के लिए यहां आ रहे हैं। मप्र. और राजस्थान की ओर से आ रहे श्रद्धालुओं ने ट्रैक्टरों की ट्राली को डबल डेकर बनाया है, जिसमें आराम की पूरी व्यवस्था है। छोटा हाथी वाहन में भी श्रद्धालु ब्रज दर्शन को आ रहे हैं। डबल डेकर बनीं ट्रालियां बरबस आकर्षित करती हैं।

वृंदावन की गलियां, मंदिर और बाजार रंग-बिरंगी सजावट और भक्ति संगीत से गूंज रहे हैं। धार्मिक उत्साह और आस्था का यह अद्भुत संगम श्रद्धालुओं के लिए अविस्मरणीय अनुभव बन रहा है।

श्रद्धालुओं की कम भीड़ से रोडवेज और रेलवे के अधिकारी हैरान

मुड़िया मेले में फीकी रौनक कारोबारी टेंशन में

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन में चल रही परिक्रमा में इस बार अधिकमास की छाया पड़ती दिख रही हैं, इसलिए सात दिवसीय मुड़िया मेले में इस बार पिछले साल जैसी रौनक नजर नहीं आ रही है। मेले के पांचवें दिन तक सोमवार को भी श्रद्धालुओं की भीड़ उम्मीद से काफी कम रही। इसका असर रोडवेज, रेलवे और गोवर्धन के बाजारों पर साफ दिखाई दिया। श्रद्धालुओं की संख्या कम होने से दुकानदारों के चेहरे भी मायूस नजर आए।

हर साल मुड़िया मेले में देशभर से लाखों श्रद्धालु गोवर्धन परिक्रमा के लिए पहुंचते हैं। इसी को देखते हुए इस बार भी

गोवर्धन जा रही रोडवेज की खाली बस।

प्रशासन ने बड़े स्तर पर तैयारियां की थीं। परिवहन निगम ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 1100 बसों की व्यवस्था की, जबकि रेलवे ने भी मेला स्पेशल ट्रेनों का संचालन शुरू किया। लेकिन अब तक यात्रियों की संख्या अनुमान से कम रहने के कारण अधिकांश बसें खाली खड़ी हैं। रोडवेज अधिकारियों के अनुसार, फिलहाल केवल 350 से 400 बसों का ही संचालन किया जा रहा है। करीब 600 बसें रिजर्व में रखी गई हैं, श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने का इंतजार है। अधिकारियों का कहना है कि जैसे ही भीड़ बढ़ेगी, सभी बसों को संचालन में लगा दिया जाएगा।

रेलवे की स्थिति भी कुछ ऐसी ही है।

1100 बसें और मेला स्पेशल ट्रेनें तैयार, उम्मीद से कम पहुंचे श्रद्धालु

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए करीब आधा दर्जन मेला स्पेशल ट्रेनों की योजना बनाई गई थी, लेकिन फिलहाल मथुरा-झांसी रेलखंड पर आवश्यकता के अनुसार कल से तीन-तीन मेला स्पेशल ट्रेनें ही चलाई जा रही हैं।

स्टेशन निदेशक सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि रेलवे लगातार यात्रियों की संख्या पर नजर बनाए हुए है। यदि किसी रूट पर श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती है तो उसी के अनुसार अतिरिक्त मेला स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। उन्होंने बताया कि पिछले दो दिनों से जरूरत के अनुसार तीन-तीन विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। मेले में आने वाले श्रद्धालु पहले मथुरा रेलवे स्टेशन पहुंचते हैं, जहां से रोडवेज बसों और निजी वाहनों के जरिए गोवर्धन पहुंचकर 21 किलोमीटर की पवित्र परिक्रमा करते हैं। हालांकि इस बार अब तक श्रद्धालुओं की संख्या कम रहने से परिवहन व्यवस्था का पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है। परिवहन निगम के एआरएम कमल किशोर आर्य ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी तैयारियां पूरी हैं। यदि मेले के अंतिम दिनों में भीड़ बढ़ती है तो 1100 बसों का संचालन किया जाएगा।

ऑटो चालकों की चांदी, 60-80 रुपये तक ले रहे है किराया

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन मुड़िया मेले में जहां श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन लगातार व्यवस्थाएं करने में जुटा है, वहीं ऑटो चालक इस मौके को कमाई का जरिया बना रहे हैं। निर्धारित किराये की अनदेखी कर श्रद्धालुओं से 60 से 80 रुपये तक वसूली की जा रही है। बाहर से आने वाले श्रद्धालु मजबूरी में अधिक किराया देने को विवश हैं। ऑटो चालक खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं।

आधुनिक तकनीक और उद्योगोन्मुख शिक्षा का केंद्र जीएलए का गणित विभाग

यूनिक समय, मथुरा। बदलते तकनीकी दौर में गणित अब केवल अंकों और समीकरणों तक सीमित नहीं रह गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डेटा साइंस, मशीन लर्निंग, फाइनेंशियल एनालिटिक्स, साइबर सिक्योरिटी और बिजनेस इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में गणित की भूमिका लगातार बढ़ रही है। ऐसे समय में जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा का गणित विभाग विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों, उद्योगोन्मुख शिक्षा और शोध आधारित प्रशिक्षण के माध्यम से भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार कर रहा है।

विभाग में बीएससी मैथमेटिक्स (डेटा साइंस स्पेशलाइजेशन), एमएससी मैथमेटिक्स और पीएचडी कार्यक्रम संचालित हैं। नई शिक्षा नीति (एनईपी–2020) के अनुरूप तैयार पाठ्यक्रम में गणित के साथ डेटा साइंस, प्रोग्रामिंग और आधुनिक कम्प्यूटेशनल तकनीकों को शामिल किया गया है। विद्यार्थियों को पाइथन, आर–प्रोग्रामिंग, मैटलैब, मैथमेटिका, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स और सांख्यिकीय मॉडलिंग जैसे विषयों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, जिससे वे उद्योग और शोध दोनों क्षेत्रों की

प्रो. मनीष गोयल

डेटा साइंस और आधुनिक तकनीकों के साथ करियर को नई दिशा दे रहा जीएलए का गणित विभाग

आवश्यकताओं के अनुरूप दक्ष बन सकें। आज डेटा साइंस के क्षेत्र में प्रशिक्षित गणित स्नातकों की मांग तेजी से बढ़ रही है। विभाग के विद्यार्थी डेटा एनालिस्ट, बिजनेस एनालिस्ट, डेटा साइंटिस्ट और मशीन लर्निंग इंजीनियर जैसे उभरते हुए करियर विकल्पों में अपनी पहचान बना रहे हैं। डेटा आधारित निर्णय प्रणाली, हेल्थकेयर, ई–कॉमर्स, बैंकिंग, फाइनेंस, मार्केटिंग, मानव संसाधन विश्लेषण और रिस्क मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में गणित और डेटा साइंस विशेषज्ञों की भूमिका लगातार बढ़ रही है।

विभाग में शोध और नवाचार को भी विशेष प्राथमिकता दी जाती है। अब तक 450 से अधिक शोध पत्र एससीआई, स्कोपस, वेब ऑफ साइंस तथा यूजीसी–केयर सूचीबद्ध शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। विभाग को एक पेटेंट प्राप्त हुआ है, जबकि तीन पेटेंट आवेदन दायर किए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एनआरएफ) और सीएसआईआर से शोध अनुदान प्राप्त हुआ है। विभाग के विद्यार्थी भी फैकल्टी सदस्यों के साथ शोध परियोजनाओं में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं, जिससे उनमें अनुसंधान और नवाचार की मजबूत नींव विकसित हो रही है। प्लेसमेंट और प्रतियोगी परीक्षाओं में भी विभाग के विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। विभाग के अनुसार, बीएससी मैथमेटिक्स (डेटा साइंस) बैच–2026 और एमएससी मैथमेटिक्स बैच–2025 के विद्यार्थियों का चयन फेयरलैब्स, डीईई पाइपिंग सिस्टम्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में हुआ है। वहीं विभाग के छात्र नीरज कुशवाहा ने सीएसआईआर–नेट 2023 में ऑल इंडिया रैंक–103 और गेट–2023 में ऑल इंडिया रैंक–754 प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया।

विभाग विद्यार्थियों के समग्र विकास पर भी विशेष ध्यान देता है। समय–समय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी), राष्ट्रीय कार्यशालाएं, तकनीकी प्रशिक्षण, प्रोग्रामिंग सत्र, गणित क्विज, इंडस्ट्रियल विजिट, नेट, गेट और जैम जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की विशेष तैयारी कराई जाती है। साथ ही विद्यार्थियों को उद्योग जगत के विशेषज्ञों से संवाद और इंटर्नशिप के अवसर भी उपलब्ध कराए जाते हैं, जिससे उनकी रोजगार क्षमता और व्यावहारिक कौशल में निरंतर वृद्धि होती है।

गणित विभागाध्यक्ष प्रो. मनीष गोयल ने कहा कि आज गणित भविष्य की हर उभरती तकनीक की आधारशिला बन चुका है। हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल मजबूत गणितीय ज्ञान देना नहीं, बल्कि उन्हें डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक कम्प्यूटेशनल तकनीकों में दक्ष बनाना है, ताकि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट करियर स्थापित कर सकें।

नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण खामियां दूर करने के दिए निर्देश

यूनिक समय, मथुरा। मुख्यमंत्री हरित सड़क अवसंरचना विकास योजना के अंतर्गत गोविंद नगर फेस–1 में प्रस्तावित सड़क सौंदर्यीकरण, निर्माण कार्यों का नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने निरीक्षण किया। उन्होंने जन्मभूमि गेट संख्या–3 से यादव चौराहा, यादव चौराहे से आगे और महाविद्या चौराहे तक पैदल भ्रमण कर सड़क, डिवाइडर, फुटपाथ और भूमिगत विद्युत लाइन के चैंबरों का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने भूमिगत विद्युत लाइन के चैंबर खुलवाकर सातवें डक्ट की स्थिति की जांच कराई।

उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को सातवें डक्ट की पूरी जांच करने के आदेश दिए। वहीं सौ फुटा रोड पर सड़क की निर्धारित सीमा क्षेत्र में अतिक्रमण मिलने पर

निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए नगर आयुक्त ओजस्वी राज।

नगर आयुक्त ने दिए गोविंद नगर से अवैध अतिक्रमण हटाने के निर्देश

नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। वहीं कुछ भवनों का व्यावसायिक उपयोग पाए जाने पर संबंधित कर अधिकारी को नियमों के अनुसार वाणिज्यिक कर निर्धारण करने, अतिरिक्त कर लगाने की कार्रवाई करने को कहा। भवनों के रैंप और सीढ़ियां जिसने नालों के उपर बढ़ाई है,उन्हें नोटिस जारी कर नियमानुसार कार्रवाई के आदेश दिए। निरीक्षण के दौरान नगर निगम के मुख्य अभियंता संजय सिंह, लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता, अवर अभियंता, संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रेरणा कैंटीन के लिए महिलाओं ने सीखे स्वाद और स्वरोजगार के गुर

प्रशिक्षण के दौरान स्वरोजगार के गुर सीखतीं महिलाएं।

यूनिक समय, मथुरा। दीनदयाल अंत्योदय योजना–राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत जनपद में प्रस्तावित ब्रज उदय प्रेरणा कैंटीन के संचालन के लिए स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

सीडीओ डॉ.पूजा गुप्ता के निर्देशन में विकास खंड बलदेव, मथुरा, गोवर्धन, मांट और राया की करीब 30 महिलाओं को 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान जिले के विभिन्न रेस्टोरेंटों का भ्रमण कराया गया। वहां महिलाओं ने समोसा, कचौड़ी, ढोकला, डोसा, छोले–भटूरे, घेवर सहित कई प्रकार के व्यंजन बनाने और उन्हें आकर्षक ढंग से परोसने की बारीकियां सीखीं।

प्रशिक्षण के दौरान आरसेटी संस्थान के निदेशक विनोद शर्मा ने महिलाओं

12 दिवसीय प्रशिक्षण के तहत रेस्टोरेंट भ्रमण

का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आरसेटी संस्थान स्वरोजगार की दिशा में हर कदम पर उनके साथ खड़ा है। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनकर रोजगार कर सकती है। महिलाओं ने बताया कि रेस्टोरेंट भ्रमण के दौरान उन्हें विभिन्न प्रकार के व्यंजन तैयार करने, फास्ट फूड की गुणवत्ता, साफ–सफाई, ग्राहकों की पसंद और बाजार में क्या मांग है उसके बारे में भी जानकारी ली।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में एनआरएलएम के जिला समन्वयक (डीसी) इन्द्रपाल सिंह, सतेंद्र अनुरागी, अजीत तिवारी, दीपक पचौरी और सीपी सिंह का विशेष सहयोग रहा।

राया में राशन की दुकान निरस्त, मुकदमा दर्ज

यूनिक समय, राया। विकास खंड राया की उचित दर विक्रेता की दुकान पर अनियमितता पाये जाने पर डीएम के आदेश पर मांट के पूर्ति निरीक्षक संतोष कुमार वर्मा ने 17 जुलाई को रेनू देवी उचित दर विक्रेता ग्राम पंचायत विरहना की दुकान को निरस्त कर उसके खिलाफ कार्रवाई करने के साथ ही राशन वितरण प्रणाली बाधित न हो, नजदीक की दुकान पर संबंध किया है।

दबंग युवक की पुलिसकर्मियों को धमकी

यूनिक समय, वृंदावन। पानीगांव पार्किंग स्थल के निकट ड्यूटी पर तैनात एक दारोगा और सिपाही के साथ दबंगों ने दबंगई की। काफी देर तक दबंग युवक किसी बात को लेकर पुलिसकर्मियों से नोक-झोंक करता रहा। इस नोक-झोंक का किसी ने वीडियो बना लिया। इंटरनेट मीडिया वायरल वीडियो में दबंग युवक पुलिसकर्मियों से तकरार करते हुए धमकी दे रहा है। यह पता नहीं चला कि दोनों के बीच किस बात को लेकर तकरार हुई थी।

परिक्रमार्थी को आया मिर्गी का दौरा

यूनिक समय, मथुरा। मुड़िया पूर्णिमा मेले में परिक्रमा कर रहे एक श्रद्धालु को अचानक मिर्गी का दौरा पड़ गया। दूसरे श्रद्धालुओं और एम्बुलेंस ने मौके पर पहुंचकर श्रद्धालु की जान बचाई। गोवर्धन में परिक्रमा करने के दौरान पैठा गांव के समीप दुरवाई कुएं के पास एक श्रद्धालु अचानक सड़क पर गिर गया। उसे मिर्गी का दौरा पड़ा था। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत 108 एम्बुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची एम्बुलेंस में युवक को ऑक्सीजन स्पोर्ट देकर पीएचसी पर पहुंचाया गया। पीएचसी पर उसका इलाज चल रहा है।

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

यूनिक समय, मथुरा। राजीव इंटरनेशनल स्कूल में कारगिल विजय दिवस देशभक्ति और गौरवपूर्ण वातावरण के बीच श्रद्धापूर्वक मनाया गया। शिक्षकों और छात्र–छात्राओं ने कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को नमन करते हुए उनके अदम्य साहस, पराक्रम और सर्वोच्च बलिदान को याद किया। विद्यालय परिसर में पूरे दिन देशभक्ति का उत्साह देखने को मिला।

कार्यक्रम की शुरुआत विशेष प्रार्थना सभा से हुई। विद्यालय की प्रिंसिपल नंदिता ढींगरा ने परमवीर चक्र विजेता कैप्टन विक्रम बत्रा के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद छात्र–छात्राओं ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत कर उपस्थित सभी लोगों को भाव-विभोर कर दिया। अनिका झा और मानव अग्रवाल ने कारगिल युद्ध के इतिहास, भारतीय सेना

कारगिल विजय दिवस पर कार्यक्रम प्रस्तुत करते छात्र–छात्राएं।

के अद्वितीय साहस और 26 जुलाई 1999 की ऐतिहासिक विजय पर विचार व्यक्त किए। वहीं छात्र गौरीबर्धन ने देशभक्ति कविता के माध्यम से शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। विद्यार्थियों को डिजिटल बोर्ड के माध्यम से कारगिल युद्ध पर आधारित डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई, जिससे उन्हें युद्ध की परिस्थितियों, सैनिकों के साहस और राष्ट्र रक्षा के महत्व की विस्तृत जानकारी मिली। शिक्षकों ने कहा कि देशभक्ति, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा जैसे संस्कार विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

आर.के. एज्यूकेशनल ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने कहा कि भारतीय सैनिकों ने कठिनतम परिस्थितियों में अदम्य साहस का परिचय देकर देश की सीमाओं की रक्षा की और उनका बलिदान सदैव प्रेरणादायी रहेगा। स्कूल के चेयरमैन मनोज अग्रवाल ने कहा कि कारगिल विजय दिवस राष्ट्र के वीर जवानों के शौर्य, त्याग और समर्पण का प्रतीक है, जिससे प्रत्येक नागरिक को प्रेरणा लेनी चाहिए।

प्रिंसिपल नंदिता ढींगरा ने विद्यार्थियों से राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के प्रति सदैव समर्पित रहने का संकल्प लिया। संचालन अनुष्का बंसल और आर्य प्रताप सिंह ने किया।

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए, राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

फोन नंबर–0565–3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

जिला अस्पताल में कान जांच की मशीन बंद, सुविधाएं सीमित

रोज 15 से 20 मरीज पहुंच रहे ईएनटी ओपीडी

पर्दा फटने के ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध

जिला अस्पताल में कान रोग विशेषज्ञ को दिखाने के लिए इंतजार करते मरीज।

यूनिक समय, मथुरा। जिला अस्पताल में कान की जांच के लिए, स्थापित एक मशीन पिछले कई महीनों से बंद होने के कारण जांच कुछ सुविधाएं फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं। इसके बावजूद अस्पताल में कान के पर्दे के ऑपरेशन सहित अन्य आवश्यक उपचार किए जा रहे हैं। जिला अस्पताल की ईएनटी ओपीडी में प्रतिदिन करीब 15 से 20 मरीज कान की विभिन्न समस्याओं को लेकर पहुंचते हैं। इनमें कम सुनाई देना, कान में दर्द, कान बहना, संक्रमण और कान के पर्दे से जुड़ी परेशानी,कान में फुंसी,सर्दगरक से भी कभी–कभी कम सुनाई पड़ता है। ईएनटी विशेषज्ञ डॉ.अमिताभ पांडेय ने बताया कि सबसे पहले मरीज के कान की चिकित्सकीय जांच की जाती है। कई बार लंबे समय तक सर्दी–जुकाम या संक्रमण रहने से भी सुनने की क्षमता प्रभावित हो जाती है।

ऐसे मामलों में दवा से उपचार किया जाता है। यदि किसी मरीज के कान का पर्दा फटा मिलता है और ऑपरेशन की आवश्यकता होती है, तो जिला अस्पताल में ऑपरेशन किया जाता है।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक मरीज की समस्या अलग होती है। इसलिए उपचार भी जांच रिपोर्ट और जांच के आधार पर तय किया जाता है। कई मरीज केवल दवा से ही पूरी तरह स्वस्थ हो जाते हैं, जबकि कुछ मामलों में सर्जरी की जरूरत पड़ती है। एनएसएम द्वारा लगाई गई कान की जांच के लिए स्थापित मशीन फिलहाल बंद पड़ी है। जिसके कारण कुछ नहीं हो पा रहीं है। उन्होंने बताया कि कान की समस्या को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। कम सुनाई देना, लगातार दर्द, कान बहना या संक्रमण जैसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत ईएनटी विशेषज्ञ से जांच करानी चाहिए। समय पर उपचार मिलने से अधिकांश कान संबंधी समस्याओं का सफल इलाज संभव है।

भंडारों के लिए पानी की कमी नहीं होने दी जाएगी: कसेरे

यूनिक समय, मथुरा। गुरू पूर्णिमा पर लगाए जा रहे भंडारों को लेकर समाज सेवी जल पुरूष प्रमोद गर्ग कसेरे ने कहा कि जिले में जो भी भण्डारे लगाए जा रहे है,उनको पानी की कोई परेशानी है तो कार्यालय पर पानी के टेंकरों के लिए निशुल्क दिए जाएगे। उन्होंने कहा कि गर्मी को देखते हुए पानी के टेंकर व प्याउ लगाई गई है। तीन दिन तक यदि किसी को भंडारे के लिए पानी की आवश्यकता है तो पानी उपलब्ध कराया जाएगा।

भाई की हत्या करने का आरोप पत्नी और साले पर

न्यायालय के आदेश पर दर्ज हुआ मामला

यूनिक समय, मथुरा। न्यायालय के आदेश पर थाना हाईवे में हरियाणा में लापता युवक के मामले में उसके भाई द्वारा पत्नी और उसके भाई पर गायब करने अथवा हत्या किए जाने का आरोप लगाया है।

अमर कॉलोनी गोवर्धन चौराहा में रहने वाले विजय पाल ने रिपोर्ट में कहा है कि उसके छोटे भाई धर्मवीर ने छह साल पहले राधा नाम की युवती से 20 फरवरी 2011 में साईं मंदिर में प्रेम विवाह कर लिया था। इसके बाद वह पत्नी राधा के साथ सुभाष कॉलोनी फरीदाबाद में रह रहा था। चार साल पहले धर्मवीर का राधा के भाई के साथ झगड़ा और मारपीट हुई थी। इस बारे में धर्मवीर ने फोन पर सूचना दी थी। 10 दिसंबर 2025 को सांय छह बजे धर्मवीर से फोन किया तो उसका फोन बंद आया। इसके बाद उसने भाई की काफी तलाश की, लेकिन उसका कुछ पता नहीं लगा। थाना हाईवे में भी रिपोर्ट दर्ज कराने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। उसे इस बात की आशंका है कि राधा और उसके भाई ने धर्मवीर का कहीं अपहरण अथवा हत्या तो नहीं कर दी है। पुलिस ने इस मामले में न्यायालय के आदेश पर राधा और उसके भाई के खिलाफ मामला दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी है।

सीआईआरजी की वैज्ञानिक उपलब्धि बकरी पालन को मिलेगा नया आयाम

सम्मान ग्रहण करते सीआईआरजी के निदेशक डॉ.मनीष कुमार चेटली।

यूनिक समय, मथुरा। केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान (सीआईआरजी) मखदूम ने वैज्ञानिक नवाचार के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के 98वें स्थापना दिवस समारोह में सीआईआरजी की छह प्रौद्योगिकियों को प्रमाणित किया गया। इनमें संस्थान की अन्तः योनि स्पंज तकनीक को सर्वश्रेष्ठ प्रौद्योगिकियों में शामिल किया गया। यह तकनीक मादा बकरियों में मद उद्दीपन और प्रजनन समकालीकरण के लिए विकसित की गई है। इसके माध्यम से बकरियों को निर्धारित समय पर प्रजनन के लिए तैयार किया जा सकता है, जिससे बेहतर प्रजनन प्रबंधन, बच्चों के जन्म का अनुकूल समय निर्धारण और बकरी पालन की दक्षता बढ़ाने में मदद मिलेगी। यह तकनीक श्रम और संसाधनों की बचत के साथ बकरी पालकों की आय बढ़ाने में सहायक साबित होगी।

इस उपलब्धि से सीआईआरजी की वैज्ञानिक क्षमता और बकरी पालन क्षेत्र में तकनीकी विकास को नई पहचान मिली है।

इस तकनीक को संस्थान के वैज्ञानिकों डॉ. वाईके सोनी, डॉ. एसडी खर्चे, डॉ. एसपी सिंह, डॉ. रवि रंजन, डॉ. एके गोयल और डॉ. एमके सिंह ने निदेशक डॉ. मनीष कुमार चेटली के मार्गदर्शन में विकसित किया है।

सीआईआरजी की तीन प्रौद्योगिकियों का उद्योगों को सफलतापूर्वक हस्तांतरण और व्यावसायीकरण भी किया जा चुका है। इससे उन्नत तकनीकें किसानों और बकरी पालकों तक पहुंचेंगी, वैज्ञानिक बकरी पालन को बढ़ावा मिलेगा।

घर में पड़ा मिला अकेली रह रही वृद्धा का शव

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोविंद नगर क्षेत्र स्थित मोहन नगर कॉलोनी में सोमवार को एक बंद मकान से 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है। मृतका की पहचान गौरी उदयवार के रूप में हुई है। वृद्धा घर में अकेली ही रहती थी। बताया गया है कि सोमवार को अंदर से बंद मकान से तेज बदबू आने पर पड़ोसियों को किसी अनहोनी की आशंका हुई। पड़ोसियों ने महिला के दामाद मनीष कुमार को इस बारे में सूचना दी। स्थानीय लोगों ने पुलिस कंट्रोल रूम को भी जानकारी दी गई। इस पर थानाध्यक्ष अजय वर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और परिजनों, पड़ोसियों की मौजूदगी में दरवाजा खुलवाया। अंदर कमरे में महिला मृत अवस्था में पड़ी मिलीं, जिस पर पुलिस ने फील्ड यूनिट को मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाने के लिए बुलाया। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भिजवा दिया। बताया गया कि उनके दामाद मनीष ने मकान को पत्नी के नाम लेकर दिया था और उसमें उनकी सास अकेली रह रही थी। सीओ सिटी आसना चौधरी ने बताया कि परिजनों के अनुसार वृद्धा डायबिटीज की मरीज थीं। प्रथम दृष्टया यह मामला बीमारी के कारण स्वाभाविक मौत का प्रतीत हो रहा है। फिलहाल मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो पाएगी।

हत्या का प्रयास करने वालों को नहीं मिला जमानत

यूनिक समय,मथुरा। जिला एवं सत्र न्यायाधीश विकास कुमार ने गोली मारकर हत्या का प्रयास करने वाले अभियुक्त की जमानत प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया है। जिला शासकीय अधिवक्ता शिवराम सिंह तरकर ने बताया कि अभियुक्त अखिलेश की ओर अपनी जमानत के लिए प्रार्थना पत्र वकील के माध्यम से जिला एवं सत्र न्यायाधीश के न्यायालय में लगाया गया था। अभियुक्त के वकील ने उसे निर्दोष बताया और गोली मारने में उसका हाथ न होना बताया। उसके खिलाफ तर्क दिए गए कि घायल की मेडिकल रिपोर्ट में गनशॉर्ट इंजरी है। इसके साथ ही पुलिस ने उसका कस्टेडी रिमांड लेकर उसकी निशानदेही पर तमंचा बरामद किया है। न्यायाधीश ने दोनों ओर के तर्क सुनने के बाद अखिलेश की जमानत प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया।

समय पर जांच कराएं, लिवर को गंभीर बीमारी से बचाएं

यूनिक समय, मथुरा। विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर आज स्वास्थ्य विभाग ने जनपद वासियों से हेपेटाइटिस के प्रति जागरूक रहने और समय पर जांच कराने को कहा गया है। विभाग का कहना है कि यदि हेपेटाइटिस की समय रहते पहचान हो जाए और इलाज शुरू कर दिया जाए, तो लीवर को गंभीर नुकसान से बचाया जा सकता है। राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जिले में हेपेटाइटिस बी और सी की निःशुल्क जांच, इलाज और जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नीरज अग्रवाल ने बताया कि हेपेटाइटिस लिवर से जुड़ी बीमारी है, जिसमें लिवर में सूजन आ जाती है। यदि हेपेटाइटिस बी और सी का समय पर इलाज न कराया जाए तो आगे चलकर यह बीमारी लिवर सिरोसिस और लिवर कैंसर जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की परेशानी होने पर जांच कराने में देरी न करें। समय पर इलाज से बीमारी पर आसानी से काबू पाया जा सकता है। राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. सिद्धार्थ धनगर ने बताया कि सरकार पात्र मरीजों को हेपेटाइटिस बी और सी की निःशुल्क जांच और इलाज की सुविधा दे रही है।

मयूर संरक्षण केंद्र की बदहाली पर आयुक्त दिखे सख्त

जीर्णोद्धार कार्य सुधारने के निर्देश

गेस्ट हाउस, रेस्क्यू सेंटर और वॉटर बॉडी का किया निरीक्षण

घायल मोरनियों के बेहतर उपचार, निगरानी पर दिया जोर

मयूर संरक्षण केंद्र का निरीक्षण करते मंडल आयुक्त नगेंद्र प्रताप।

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज की पहचान और गौरव माने जाने वाले राष्ट्रीय पक्षी मोर के संरक्षण को लेकर प्रशासन गंभीर नजर आया। सोमवार को आयुक्त नगेंद्र प्रताप ने मथुरा–वृंदावन स्थित मयूर संरक्षण केंद्र का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने जीर्णोद्धार कार्य की गुणवत्ता पर नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए। केंद्र को अधिक आकर्षक और व्यवस्थित बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। निरीक्षण के दौरान जीर्णोद्धार कार्य की गुणवत्ता संतोषजनक न मिलने पर आयुक्त ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में तत्काल आवश्यक सुधार कराया जाए। इसके साथ ही वॉक–वे को अधिक मजबूत और सुरक्षित बनाने, उसके किनारे लगाए गए पौधों की नियमित प्रूनिंग कर परिसर को सुंदर और व्यवस्थित रखने के निर्देश भी दिए।

आयुक्त ने वॉटर बॉडी का निरीक्षण करते हुए इसे पर्यटकों और प्रकृति प्रेमियों के लिए अधिक आकर्षक बनाने के उद्देश्य से फाउंटेन स्थापित करने को कहा। उन्होंने कहा कि इससे संरक्षण केंद्र की सुंदरता और उपयोगिता दोनों बढ़ेंगी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मयूर रेस्क्यू सेंटर का भी दौरा किया, जहां घायल तीन मोरनियों का पशु चिकित्सकों की निगरानी में उपचार चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि ये मोरनियां बिजली के करंट और जंगली जानवरों के हमले में घायल हुई थीं।

बिछड़े मासूम समेत महिला को परिवार से मिलाया

स्काउट्स–गाइड्स रेलवे की पहल से यात्रियों को सुविधा

परिवार से बिछड़ी हुई वृद्ध महिला को खोया पाया केंद्र ले जाते हुए आरपीएफ के अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन परिक्रमा मेले के दौरान मथुरा जंक्शन पर स्थापित खोया–पाया केंद्र श्रद्धालुओं के लिए बड़ी राहत साबित हो रहे हैं। मंडल रेल प्रबंधक गगन गोयल के मार्गदर्शन में उत्तर मध्य रेलवे, भारत स्काउट्स–गाइड्स के स्वयंसेवक चौबीसों घंटे सेवा भाव से ड्यूटी निभाते हुए बिछड़े लोगों को उनके परिजनों से मिलाने का कार्य कर रहे हैं।

सोमवार तड़के करीब दो वर्ष का एक मासूम प्लेटफॉर्म पर अकेला घूमता हुआ मिला। स्काउट्स–गाइड्स के स्वयंसेवकों ने तुरंत बच्चे को सुरक्षित अपने संरक्षण में लिया और खोया–पाया केंद्र के माध्यम से बच्चे के परिजन जो सागर से गोवर्धन परिक्रमा के लिए आए थे, केंद्र पर पहुंच गए। पहचान और सत्यापन के बाद रेलवे सुरक्षा बल की मौजूदगी में बच्चे को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। मेहंदी निवासी मुरादनगर, रेवाड़ी, भी मेले की भीड़ में अपने परिवार से बिछड़ गई थीं। खोया–पाया केंद्र द्वारा लगातार उद्घोषणा के बाद उनके परिजन केंद्र पहुंचे और उन्हें साथ ले गए।

सुविचार

छोटी खुशियों को संभालो, यही जीवन के बड़े खजाने बनते हैं।

कल का पंचांग

तिथि	चतुर्दशी 04:15-06:19 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा 01:11-03:27 तक	माह	आषाढ़
सूर्योदय	5:44 AM	चन्द्रोदय	06:33 PM
सूर्यास्त	7:07 PM	चंद्रास्त	05:08 PM
सूर्य राशि	कर्क राशि	चंद्र	मकर राशि
शुभ मुहूर्त	11:59AM –12:52 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत		विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	03:46 PM: 05:26 PM	वार	मंगलवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेषः नई जिम्मेदारियां मिलेंगी। आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग रहेगा। खर्च सोच–समझकर करें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृषभः आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रुके कार्य पूरे होंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा। निवेश लाभदायक रहेगा। खानपान संतुलित रखें। मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुनः व्यापार में नए अवसर मिलेंगे। कार्यों में तेजी आएगी। यात्रा शुभ रहेगी। रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। अनावश्यक विवादों से बचें।

कर्कः परिवार के साथ सुखद समय बिताएंगे। नौकरी में सम्मान मिलेगा। धैर्य बनाए रखें। पुराने निवेश लाभ देंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

सिंहः नेतृत्व क्षमता निखरेगी। नई योजनाएं सफल होंगी। आय में वृद्धि संभव है। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। आत्मविश्वास बनाए रखें।

कन्याः कार्यस्थल पर मेहनत रंग लाएगी। वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक लाभ होगा। पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा। संयम आवश्यक रहेगा।

तुलाः भाग्य का साथ मिलेगा। नए संपर्क लाभ देंगे। दांपत्य जीवन मधुर रहेगा। खर्च नियंत्रित रखें। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिकः महत्वपूर्ण निर्णय सोच–समझकर लें। कार्यक्षेत्र में प्रगति होगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। यात्रा लाभदायक रहेगी।

धनुः रुके हुए कार्य पूरे होंगे। व्यापार में लाभ मिलेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। नई योजनाएं सफल होंगी।

मकरः नौकरी में नई जिम्मेदारी मिलेगी। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। धैर्य रखें। स्वास्थ्य संबंधी लापरवाही न करें।

कुंभः रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। मित्रों का साथ मिलेगा। आय बढ़ने के योग हैं।

मीनः आध्यात्मिक रुचि बढ़ेगी। पारिवारिक सुख मिलेगा। कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। आर्थिक लाभ संभव है। सकारात्मक सोच बनाए रखें।

सांवलिया सेठ को दस करोड़ समर्पित कर किसान बना कलयुग का सुदामा

दस वर्षों बाद पूरा हुआ अटूट श्रद्धा का संकल्प

दान की भूमि पर बनेगी गौसेवा हेतु भव्य गौशाला

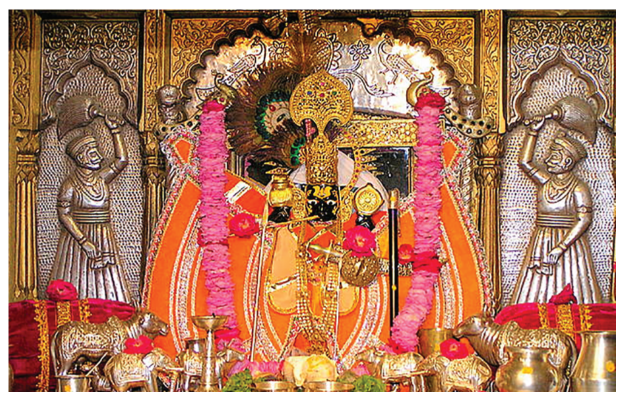

यूनिक समय, मथुरा। सच्ची आस्था केवल पूजा–पाठ तक सीमित नहीं होती, बल्कि त्याग, समर्पण और सेवा की भावना से भी पहचानी जाती है। राजस्थान के डूंगरपुर जिले के एक साधारण किसान ने अपनी निष्काम भक्ति से ऐसी मिसाल पेश की है, जिसकी चर्चा पूरे प्रदेश में हो रही है। आसपुर तहसील के खेड़ा सामोर गांव निवासी अमरजी गौतम पाटीदार ने अपनी करीब 10 करोड़ रुपये मूल्य की पूरी संपत्ति भगवान श्री सांवलिया सेठ के चरणों में समर्पित कर दी। उनकी इस अनूठी श्रद्धा ने लोगों को भावुक करने के साथ समाज को सेवा और समर्पण का प्रेरक संदेश भी दिया है।

अमरजी गौतम पाटीदार साधारण जीवन जीते हैं। धोती–कुर्ता पहनने वाले इस किसान ने वर्ष 2016 में संकल्प लिया था कि अपनी जमीन और मकान भगवान सांवलिया सेठ को दान करेंगे। हालांकि यह निर्णय जितना बड़ा था, उसे पूरा करना उतना ही कठिन साबित हुआ। जमीन पर ऋण, अलग–अलग खातों में दर्ज भूमि और प्रशासनिक प्रक्रियाओं के कारण उनका संकल्प वर्षों तक अधूरा रहा। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। पिछले दस वर्षों में वे 100 से अधिक बार सांवलियाजी मंदिर और चित्तौड़गढ़ के प्रशासनिक कार्यालयों के चक्कर लगाते रहे।

आखिरकार मंदिर प्रशासन, स्थानीय नागरिकों और शुभचिंतकों के सहयोग से उनकी 10.15 बीघा जमीन भगवान सांवलिया सेठ के नाम पंजीकृत हो गई। इस दौरान कई लोगों ने आर्थिक और कानूनी सहायता भी दी। अधिवक्ता वालजी पाटीदार ने बिना किसी शुल्क के पूरी रजिस्ट्री प्रक्रिया पूरी कराई, जबकि अन्य समाजसेवियों ने भी आवश्यक सहयोग देकर इस संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

अमरजी केवल संपत्ति दान देकर ही नहीं रुके। उनके खेत में लगे लगभग 30 आम के पेड़ों के फल भी वे कभी बेचते नहीं हैं। उनकी इच्छा है कि दान की गई भूमि पर भविष्य में एक भव्य गौशाला का निर्माण हो, जिससे गौसेवा के साथ समाज का भी कल्याण हो सके। इतना ही नहीं, अब वे अपनी माता के एक किलोग्राम चांदी के आभूषण भी भगवान सांवलिया सेठ को अर्पित करने की तैयारी कर रहे हैं।

श्री सांवलिया मंदिर मंडल के प्रशासनिक अधिकारी राजेंद्र सिंह ने इस दान को आस्था, त्याग और समाजसेवा की अनूठी मिसाल बताया। अमरजी गौतम पाटीदार की कहानी यह संदेश देती है कि सच्ची श्रद्धा केवल शब्दों में नहीं, बल्कि निस्वार्थ कर्म और दृढ़ संकल्प में दिखाई देती है। यही कारण है कि लोग आज उन्हें "कलयुग का सुदामा" कहकर सम्मान दे रहे हैं। उनकी प्रेरणादायक यात्रा यह साबित करती है कि जब आस्था अटूट हो, तो समय, कठिनाइयां और बाधाएं भी संकल्प के आगे छोटी पड़ जाती हैं।

प्रियाकांत जू मंदिर पर गुरु पूर्णिमा महोत्सव 28 से प्रारंभ

यूनिक समय, वृंदावन । प्रियाकांत जू मंदिर पर गुरु पूर्णिमा महोत्सव में हजारों शिष्य देवकीनंदन का पूजन कर गुरु-शिष्य परंपरा का निर्वहन करेंगे। मंदिर पर 30 जुलाई से 21 लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण , रूद्राभिषेक और महाशिवपुराण कथा का आयोजन होगा ।एक अगस्त को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल आयोजन में भाग लेने आएंगीं । छटीकरा मार्ग स्थित ठाकुर श्री प्रियाकांत जू मंदिर पर 28 जुलाई से गुरु पूर्णिमा महोत्सव का प्रारंभ होगा ।मंदिर मीडिया प्रभारी जगदीश वर्मा ने बताया कि पहले दिन देवकीनंदन प्रातः 9 से 12 बजे तक गुरु दीक्षा प्रदान करेंगे ।इसके बाद तीन बजे से सायं छह बजे तक गुरु शिष्य-संवाद कार्यक्रम होगा । 29

श्रावण मास में 21 लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण रुद्राभिषेक, आयोजन में भाग लेंगी राज्यपाल

जुलाई को शांति सेवा सभागृह में प्रातः सात बजे से हजारों शिष्य देवकीनंदन के चरण पूजन कर गुरुपूर्णिमा पर्व मनाएंगे । सायं काल 7.30 बजे से मंदिर प्रांगण में भजन संकीर्तन का आयोजन होगा । श्रावण मास में 30 जुलाई से मंदिर प्रांगण में ब्रज की मिट्टी से पार्थिव शिवलिंग निर्माण और शिवकथा का प्रारंभ होगा ।एक अगस्त को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल आयोजन में भाग लेने प्रियाकांत जु मंदिर आएंगी। आयोजन पांच अगस्त तक चलेगा।

तीन अगस्त को पहला सावन सोमवार बरसेगी भोलेनाथ की कृपा अपार

यूनिक समय, मथुरा। भगवान शिव को समर्पित पवित्र सावन मास की शुरुआत 30 जुलाई से होगी। इस वर्ष सावन का पहला सोमवार 3 अगस्त को पड़ रहा है, जिसे शिवभक्तों के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव का विधि–विधान से पूजन, जलाभिषेक और व्रत करने से जीवन में सुख–शांति आती है तथा ग्रह दोषों का प्रभाव कम होता है।

सावन के दौरान श्रद्धालु प्रातः स्नान कर शिवलिंग पर जल, गंगाजल, दूध, बेलपत्र, धतूरा और भस्म अर्पित करते हैं। कई भक्त रुद्राभिषेक भी कराते हैं। मान्यता है कि सावन में सच्चे मन से की गई शिव आराधना से भगवान

भोलेनाथ भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं और परिवार में सुख–समृद्धि बनी रहती है।

वर्ष 2026 में सावन के चार सोमवार 3, 10, 17 और 24 अगस्त को पड़ेंगे। अविवाहित युवक–युवतियां योग्य जीवनसाथी की कामना से, जबकि विवाहित दंपती सुखी दांपत्य

पहले सोमवार व्रत का विशेष धार्मिक महत्व

जलाभिषेक से मिलती मानसिक शांति और सुख

जीवन और परिवार की खुशहाली के लिए यह व्रत रखते हैं। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार सावन सोमवार पर भगवान शिव की पूजा करने से मानसिक तनाव कम होता है, सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और चंद्रमा से जुड़े दोषों के प्रभाव में कमी आने की मान्यता है। इसलिए सावन का पहला सोमवार शिवभक्तों के लिए विशेष आस्था और भक्ति का पर्व माना जाता है।

हर मकर संक्रांति तिलभर बढ़ता है काशी का दिव्य शिवलिंग

यूनिक समय, मथुरा। धर्मनगरी काशी अपने प्राचीन मंदिरों और धार्मिक मान्यताओं के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। बाबा विश्वनाथ के शहर में स्थित तिल भाण्डेश्वर महादेव मंदिर भी इन्हीं अद्भुत धामों में शामिल है। इस मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यहां स्थापित स्वयम्भू शिवलिंग है, जिसके बारे में मान्यता है कि इसका आकार हर वर्ष मकर संक्रांति के दिन एक तिल के बराबर बढ़ता है। यही कारण है कि सावन, सोमवार और अन्य विशेष अवसरों पर यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं।

केदारेश्वर खंड स्थित पांडेय हवेली की गली में बने इस प्राचीन मंदिर तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को करीब 30 से अधिक सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं।

जमीन से लगभग 60 फीट ऊंचाई पर स्थित इस धाम में भक्त दूध, जल और बेलपत्र अर्पित कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। मंदिर के पुजारी विनय सिंह के अनुसार शिवलिंग का ऊपरी भाग ही दिखाई देता है, जबकि इसका निचला हिस्सा धरती के भीतर तक फैला हुआ है। इसे स्वयम्भू शिवलिंग माना जाता है, जो भक्तों के कल्याण के लिए स्वयं प्रकट हुआ था।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार तिल भाण्डेश्वर महादेव की पूजा करने

तिल अर्पण से जुड़ी है प्राचीन चमत्कारी पौराणिक कथा

से नवग्रह और 27 नक्षत्रों के दोष शांत होते हैं। जिन लोगों की कुंडली में ग्रह दोष होते हैं, वे विशेष रूप से सोमवार के दिन यहां जलाभिषेक कर भगवान शिव की आराधना करते हैं। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि सच्ची श्रद्धा से पूजा करने पर जीवन की बाधाएं दूर होती हैं और सुख–समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है।

मंदिर से जुड़ी प्राचीन कथा भी बेहद रोचक है। मान्यता है कि विभांडा ऋषि इसी स्थान पर भगवान शिव की कठोर तपस्या करते थे। वे प्रतिदिन तिल और गंगाजल अर्पित कर शिव आराधना करते थे। एक दिन उनके पात्र में रखा तिल भूमि पर बिखर गया, तभी वहां भगवान शिव शिवलिंग के रूप में प्रकट हुए। इसी कारण इस शिवलिंग का नाम तिल भाण्डेश्वर महादेव पड़ा। लोकमान्यता है कि द्वापर युग में यह शिवलिंग प्रतिदिन एक तिल के बराबर बढ़ता था, जबकि कलयुग में इसका आकार केवल मकर संक्रांति के दिन एक तिल के बराबर बढ़ता है।

सावन के पवित्र महीने में इस मंदिर का धार्मिक महत्व और बढ़ जाता है। दूर–दूर से आने वाले श्रद्धालु यहां भगवान शिव के दर्शन कर मनोकामनाएं मांगते हैं। प्राचीन आस्था, पौराणिक मान्यता और अद्भुत चमत्कार से जुड़ा तिल भाण्डेश्वर महादेव मंदिर आज भी काशी की धार्मिक विरासत का एक अनूठा प्रतीक बना हुआ है।

सम्पादकीय

मुनाफे की भूख ने रोटी का स्वाद भी छीना

उत्तर प्रदेश की पहचान कभी अन्न भंडार के रूप में होती थी, लेकिन यदि रोटी के साथ पत्थर भी परोसा जाने लगे तो यह केवल खाद्य मिलावट नहीं, बल्कि व्यवस्था की संवेदनहीनता का सबसे भयावह चेहरा है। ताजा खुलासे बताते हैं कि कुछ आटा मिलों में मुनाफे की भूख इतनी बढ़ गई है कि गेहूं के साथ सफेद पत्थर का चूरा पीसकर लोगों की थाली तक पहुंचाया जा रहा है। इससे बड़ा व्यंग्य और क्या होगा कि जिस प्रदेश की धरती करोड़ों लोगों का पेट भरती है, वहीं अब रोटी में पोषण नहीं, बल्कि बीमारी का इंतजाम किया जा रहा है।

पवन गौतम
संपादक

विडंबना देखिए, सरकारें "शुद्ध भोजन" के दावे करती हैं, अधिकारी समय–समय पर छापेमारी की तस्वीरें जारी करते हैं और दूसरी ओर मिलावट का कारोबार खुलेआम चलता रहता है। यदि फैक्ट्री मालिक का यह दावा सही है कि "सब यही करते हैं" और अधिकारी केवल मासिक वसूली करने आते हैं, तो यह सवाल केवल मिलावटखोरों पर नहीं, बल्कि पूरे निगरानी तंत्र पर खड़ा होता है। आखिर जनता किस पर भरोसा करे–सरकारी मुहर पर या अपनी रसोई की थाली पर?

सबसे दुखद पहलू यह है कि यह कथित मिलावटी आटा केवल बाजार तक सीमित नहीं, बल्कि मिड–डे मील और बड़े आयोजनों तक पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। यदि बच्चों की थाली तक मुनाफाखोरी पहुंच जाए तो समझ लेना चाहिए कि लालच ने इंसानियत की आखिरी सीमा भी पार कर ली है। कुछ रुपए अतिरिक्त कमाने के लिए आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ किसी भी सभ्य समाज के लिए शर्मनाक है।

स्कैन करें
संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

यह भी कटु सत्य है कि मिलावट का यह कारोबार तभी फलता–फूलता है, जब कानून का डर समाप्त हो जाए। यदि खाद्य सुरक्षा की जांच केवल औपचारिकता बन जाए और दोषियों को कठोर दंड न मिले, तो ऐसे गिरोहों के हौसले बढ़ना स्वाभाविक है। जरूरत केवल छापेमारी की नहीं, बल्कि ऐसी फैक्ट्रियों के लाइसेंस निरस्त करने, संपत्ति जब्त करने और दोषियों को ऐसी सजा देने की है जो दूसरों के लिए भी नजीर बने। व्यंग्य यही है कि उत्तर प्रदेश आज एक्सप्रेस–वे, निवेश और विकास की नई इबारत लिख रहा है, लेकिन यदि आम आदमी को यह सोचकर रोटी खानी पड़े कि इसमें गेहूं ज्यादा है या पत्थर, तो विकास के दावों की चमक फीकी पड़ जाती है। आखिर रोटी में पत्थर मिलाने वाले केवल आटा नहीं बिगाड़ रहे, वे जनता का भरोसा भी पीस रहे हैं। अब समय आ गया है कि सरकार, प्रशासन और समाज मिलकर यह सुनिश्चित करें कि उत्तर प्रदेश की थाली में फिर से केवल अन्न परोसा जाए, पत्थर नहीं।

नजरिया

दवा अधूरी, डॉक्टर बदले, बीमारी बनी स्थायी मेहमान

बोध प्रकाश सगुणी

उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में स्वास्थ्य सुविधाओं का तेजी से विस्तार हुआ है। जिला अस्पतालों से लेकर मेडिकल कॉलेज, निजी अस्पतालों से लेकर सुपर स्पेशियलिटी संस्थानों तक इलाज के अनेक विकल्प उपलब्ध हैं। यह व्यवस्था मरीजों के हित में है, लेकिन इसी सुविधा ने एक नई समस्या को जन्म दिया है, जिसे चिकित्सा जगत में "डॉक्टर शॉपिंग" कहा जाता है। यानी एक बीमारी का इलाज पूरा होने से पहले ही बार–बार डॉक्टर बदलना। यह प्रवृत्ति अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं रही, बल्कि उत्तर प्रदेश के बड़े शहरों–लखनऊ कानपुर, नोएडा, गाजियाबाद, आगरा, मेरठ, वाराणसी और प्रयागराज–के साथ–साथ छोटे शहरों में भी तेजी से बढ़ रही है।

आज मरीज को दवा शुरू किए मुश्किल से दो दिन होते हैं और यदि बुखार पूरी तरह नहीं उतरा या खांसी बंद नहीं हुई तो पहला निष्कर्ष यही निकलता है कि "डॉक्टर ठीक नहीं है।" इसके बाद परिवार, रिश्तेदार, पड़ोसी, व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी और सोशल मीडिया के स्वयंभू विशेषज्ञ सक्रिय हो जाते हैं। हर व्यक्ति के पास एक "सबसे अच्छा डॉक्टर" मौजूद होता है। परिणाम यह होता है कि बीमारी से ज्यादा मरीज डॉक्टरों के बीच घूमने लगता है।

विडंबना यह है कि जिस समाज में कभी डॉक्टर को भगवान का दर्जा दिया जाता था, वहीं अब डॉक्टर का मूल्यांकन दवा की गुणवत्ता से कम और बीमारी कितनी जल्दी ठीक हुई, इससे अधिक होने लगा है। यदि तीन दिन में आराम मिल गया तो डॉक्टर महान, और यदि पांच दिन लग गए तो डॉक्टर बदल दो। ऐसा लगता है जैसे इलाज नहीं, बल्कि ऑनलाइन फूड डिलीवरी का ऑर्डर दिया गया हो, जो दस मिनट में नहीं पहुंचा तो दूसरा ऐप खोल लिया जाए।

उत्तर प्रदेश में वायरल बुखार, डेंगू, टाइफाइड, फ्लू और मौसमी संक्रमण के दौरान यह प्रवृत्ति सबसे अधिक दिखाई देती है। मरीज एक डॉक्टर से दूसरे डॉक्टर और फिर तीसरे डॉक्टर तक पहुंच जाता है। हर नया चिकित्सक अपनी समझ के अनुसार जांच लिखता है। रक्त परीक्षण दोबारा होता है, एक्स–रे दोबारा होता है, अल्ट्रासाउंड फिर कराया जाता है और कई बार एमआरआई तक दोहरानी पड़ जाती है। बीमारी वही रहती है, लेकिन मेडिकल फाइल मोटी होती जाती है और जेब हल्की।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा नुकसान मरीज को ही उठाना पड़ता है। बार–बार दवाएं बदलने से उपचार की निरंतरता टूट जाती है। एंटीबायोटिक दवाओं का पूरा कोर्स नहीं होने से शरीर में दवा प्रतिरोधक क्षमता (एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस) विकसित होने का खतरा बढ़ता है। बाद में वही बीमारी गंभीर रूप ले सकती है और इलाज अधिक कठिन हो जाता है। कई बार अलग–अलग डॉक्टरों की दवाएं एक साथ लेने से दवाओं का दुष्प्रभाव भी सामने आता है।

व्यंग्य यह है कि आज मरीज बीमारी का इलाज कम और डॉक्टरों का "कलेक्शन" अधिक कर रहा है। कोई कहता है सरकारी डॉक्टर दिखाओ, दूसरा निजी अस्पताल भेज देता है, तीसरा सुपर स्पेशियलिस्ट की सलाह देता है और चौथा किसी ऐसे डॉक्टर का नाम बताता है जिसके बारे में दावा होता है कि "उनके हाथ में जादू है।" मानो चिकित्सा विज्ञान नहीं, बल्कि जादू–टोना चल रहा हो।

उत्तर प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार मेडिकल कॉलेजों का विस्तार कर रही है। आयुष्मान भारत, मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से इलाज को अधिक सुलभ बनाया गया है। लेकिन यदि मरीज स्वयं ही हर दूसरे दिन डॉक्टर बदलता रहेगा तो सबसे आधुनिक स्वास्थ्य व्यवस्था भी अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएगी। चिकित्सा विज्ञान में अधिकांश दवाओं को असर दिखाने के लिए निर्धारित समय चाहिए। हर बीमारी का इलाज तत्काल नहीं होता और हर रोग का समाधान इंजेक्शन या भारी एंटीबायोटिक नहीं हो सकता।

इस समस्या का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। कई बार डॉक्टर मरीज को उसकी बीमारी, उपचार की अवधि और संभावित सुधार के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं देते। मरीज यह समझ ही नहीं पाता कि दवा कितने दिन चलेगी, कब तक आराम मिलेगा और किन परिस्थितियों में दोबारा परामर्श लेना चाहिए। संवाद की यह कमी भी डॉक्टर शॉपिंग को बढ़ावा देती है। यदि चिकित्सक मरीज को विश्वास में लेकर स्पष्ट जानकारी दें तो अनावश्यक भ्रम काफी हद तक समाप्त हो सकता है।

यह भी सच है कि दूसरा चिकित्सकीय मत (सेकेंड ओपिनियन) लेना गलत नहीं है। गंभीर बीमारी, ऑपरेशन, कैंसर, हृदय रोग या जटिल उपचार में विशेषज्ञ की अतिरिक्त राय लेना समझदारी है। लेकिन सेकेंड ओपिनियन और हर दूसरे दिन डॉक्टर बदलने में बड़ा अंतर है। पहला वैज्ञानिक दृष्टिकोण है, जबकि दूसरा अधैर्य और भ्रम का परिणाम।

आज सोशल मीडिया ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। कोई वीडियो देखकर दवा बदल देता है, कोई इंटरनेट पर लक्षण पढ़कर स्वयं बीमारी तय कर लेता है और कोई रिश्तेदार की सलाह पर नया डॉक्टर खोज लेता है। धीरे–धीरे इलाज विज्ञान से अधिक अफवाहों और अधूरी जानकारियों पर आधारित होने लगता है। सबसे बड़ा नुकसान मरीज के स्वास्थ्य को होता है।

उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। सरकारी और निजी अस्पतालों को मरीज परामर्श प्रणाली मजबूत करनी चाहिए। डॉक्टरों को उपचार के प्रत्येक चरण की जानकारी सरल भाषा में देनी चाहिए और मरीजों को भी धैर्य रखना चाहिए। यदि कोई गंभीर दुष्प्रभाव न हो तो निर्धारित अवधि तक उपचार जारी रखना ही समझदारी है। बिना चिकित्सकीय सलाह दवा बंद करना या डॉक्टर बदलना भविष्य में बड़ी समस्या खड़ी कर सकता है।

व्यंग्य यही है कि आजकल कुछ लोग डॉक्टर नहीं बदलते, बल्कि डॉक्टरों की "सीरीज" पूरी करते हैं। जब तक चार–पांच चिकित्सकों की पर्चियां फाइल में न जुड़ जाएं, तब तक उन्हें लगता ही नहीं कि इलाज शुरू हुआ है। आखिर बीमारी का इलाज दवाओं से होगा या डॉक्टरों की गिनती बढ़ाने से?

स्वास्थ्य कोई फैशन नहीं और न ही डॉक्टर बदलना आधुनिकता का प्रमाण है। विश्वास, धैर्य और चिकित्सकीय अनुशासन ही सफल उपचार की सबसे बड़ी कुंजी हैं। उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में यदि मरीज और चिकित्सक दोनों संवाद और विश्वास को मजबूत करें, तो डॉक्टर शॉपिंग जैसी प्रवृत्ति स्वतः कम होगी। आखिर स्वस्थ समाज वही होता है, जहां इलाज विज्ञान पर आधारित हो, अफवाहों पर नहीं और जहां मरीज डॉक्टर बदलने से पहले अपनी सोच बदलना सीखे।

विचार विंडो

जल संकट की अनदेखी भविष्य पर पड़ेगी भारी

राम प्रकाश वर्मा

जल केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि मानव जीवन, कृषि, उद्योग और समूची अर्थव्यवस्था का आधार है। भारत जैसे देश में, जहां सदियों से नदियों, तालाबों और वर्षाजल को संस्कृति और आस्था से जोड़ा गया, वहीं आज जल संकट तेजी से राष्ट्रीय चुनौती बनता जा रहा है। बढ़ती आबादी, अनियोजित शहरीकरण, भूजल का अंधाधुंध दोहन और जलवायु परिवर्तन ने इस संकट को इतना गंभीर बना दिया है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में पानी सबसे बड़ा संघर्ष का कारण बन सकता है। यह केवल पर्यावरण का विषय नहीं, बल्कि खाद्य सुरक्षा, आर्थिक विकास और सामाजिक स्थिरता से भी जुड़ा प्रश्न है।

हाल के वर्षों में सामने आए वैज्ञानिक अध्ययन बताते हैं कि उत्तर भारत का भूजल भंडार तेजी से घट रहा है। मानसून की अनिश्चितता और वर्षा में लगातार कमी ने स्थिति को और चिंताजनक बना दिया है। तापमान बढ़ने से मिट्टी की नमी तेजी से समाप्त होती है, जिससे खेतों को अधिक सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। परिणामस्वरूप किसान भूजल पर निर्भर होते जा रहे हैं। जितनी तेजी से भूजल निकाला जा रहा है, उतनी गति से उसका पुनर्भरण नहीं हो पा रहा। यही असंतुलन भविष्य के बड़े जल संकट की नींव बन रहा है।

देश के अनेक राज्यों में भूजल स्तर हर वर्ष नीचे जा रहा है। पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली सहित कई क्षेत्रों में हैंडपंप सूख रहे हैं तथा सैकड़ों फीट गहरे बोरवेल खोदने के बाद भी पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा। शहरों में टैंकरों पर निर्भरता बढ़ रही है, जबकि गांवों में पेयजल की समस्या लगातार गहराती जा रही है। यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले समय में जल संकट केवल पीने के पानी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कृषि उत्पादन और खाद्य सुरक्षा को भी गंभीर रूप से प्रभावित करेगा।

भारत की कृषि व्यवस्था आज भी सबसे अधिक पानी की खपत करती है। कई ऐसे क्षेत्रों में भी धान और गन्ने जैसी अधिक पानी वाली फसलें उगाई जा रही हैं, जहां जल संसाधन सीमित हैं। मुफ्त बिजली और भूजल के अनियंत्रित उपयोग ने इस समस्या को और बढ़ाया है। अब आवश्यकता इस बात की है कि खेती को जल उपलब्धता के अनुरूप बनाया जाए। कम पानी में तैयार होने वाली फसलों, मोटे अनाज, दालों और तिलहन को बढ़ावा देकर जल संरक्षण के साथ किसानों की आय भी बढ़ाई जा सकती है। आधुनिक सिंचाई तकनीकों, विशेषकर ड्रिप और स्प्रिंकलर प्रणाली का व्यापक विस्तार समय की आवश्यकता है।

जल संकट का दूसरा बड़ा कारण अनियोजित शहरीकरण है। तेजी से फैलते शहरों में कंक्रीट का विस्तार बढ़ने से वर्षाजल धरती में समाने के बजाय सीधे नालों में बह जाता है। अधिकांश इमारतों और आवासीय परियोजनाओं में वर्षाजल संचयन की व्यवस्था या तो नहीं है या केवल कागजों तक सीमित है। यदि प्रत्येक भवन, विद्यालय, उद्योग और सरकारी कार्यालय में वर्षाजल संचयन को सख्ती से लागू किया जाए तो भूजल स्तर में उल्लेखनीय सुधार संभव है। यह ऐसा उपाय है जिसमें कम लागत में दीर्घकालिक लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं।

जल प्रदूषण भी संकट को कई गुना बढ़ा रहा है। नदियों, झीलों और तालाबों में औद्योगिक अपशिष्ट, सीवेज और रासायनिक कचरे के कारण स्वच्छ जल स्रोत लगातार घट रहे हैं। जब सतही जल उपयोग योग्य नहीं रहता तो लोगों की निर्भरता भूजल पर बढ़ जाती है। इसलिए जल संरक्षण के साथ–साथ जल स्रोतों की स्वच्छता भी समान रूप से आवश्यक है। नदियों और पारंपरिक जलाशयों का संरक्षण केवल पर्यावरण संरक्षण नहीं, बल्कि जल सुरक्षा की सबसे मजबूत रणनीति है।

भारत की पारंपरिक जल संरचनाएं कभी जल प्रबंधन का उत्कृष्ट उदाहरण थीं। गांवों के तालाब, बावड़ियां, जोहड़ और कुंड वर्षाजल को संचित कर भूजल का स्तर बनाए रखते थे। आधुनिक विकास की दौड़ में इनका संरक्षण उपेक्षित रहा और अनेक जल स्रोत अतिक्रमण या प्रदूषण का शिकार हो गए। यदि इन पारंपरिक प्रणालियों का वैज्ञानिक तरीके से पुनर्जीवन किया जाए तो जल संकट का प्रभाव काफी हद तक कम किया जा सकता है। कई राज्यों में ऐसे प्रयास सफल भी हुए हैं, जो यह साबित करते हैं कि परंपरा और आधुनिक तकनीक का समन्वय प्रभावी समाधान बन सकता है।

सरकार को जल प्रबंधन को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना होगा। प्रत्येक जिले का भूजल बजट तैयार किया जाए, जल दोहन पर वैज्ञानिक नियंत्रण लागू हो और वर्षाजल संचयन को प्रभावी ढंग से अनिवार्य बनाया जाए। साथ ही जल संरक्षण संबंधी शिक्षा को विद्यालयों के पाठ्यक्रम में व्यवहारिक रूप से शामिल करना चाहिए ताकि नई पीढ़ी जल के महत्व को केवल पढ़े नहीं, बल्कि उसे जीवनशैली का हिस्सा बनाए।

अंततः जल संकट का समाधान केवल सरकारी योजनाओं से संभव नहीं है। प्रत्येक नागरिक को अपने स्तर पर जल बचाने की जिम्मेदारी निभानी होगी। घरों में पानी की बर्बादी रोकना, रिसाव ठीक कराना, वर्षाजल संचयन अपनाना और जल के प्रति संवेदनशील व्यवहार विकसित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यदि समाज, सरकार, वैज्ञानिक, किसान और उद्योग मिलकर जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप दें तो इस चुनौती का समाधान संभव है। पानी केवल आज की जरूरत नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों का अधिकार भी है। इसलिए यह संकल्प लेना होगा कि हर बूंद का सम्मान होगा, तभी सुरक्षित और समृद्ध भविष्य का निर्माण संभव होगा।

चोट, पीलिया और सर्जरी को दी मात

8 साल बाद राजा मुतुपंडि ने जीता सिल्वर

यूनिक समय, नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के चौथे दिन भारतीय वेटलिफ्टिंग दल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश की झोली में तीन पदक डाले। मीराबाई चानू ने स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा, जबकि ऋषिकांता सिंह और राजा मुतुपंडि ने रजत पदक अपने नाम किए। हालांकि, राजा मुतुपंडि का सिल्वर मेडल इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि इसके पीछे वर्षों का संघर्ष, चोट, बीमारी और लगातार वापसी की जिद छिपी है। आठ साल बाद कॉमनवेल्थ गेम्स में लौटे तमिलनाडु के इस खिलाड़ी ने पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में कुल 286 किलोग्राम वजन उठाकर भारत का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया।

फाइनल मुकाबले में राजा की शुरुआत आसान नहीं रही। स्नैच राउंड के पहले प्रयास में वह असफल रहे, लेकिन दूसरे प्रयास में 126 किलोग्राम वजन उठाकर मुकाबले में वापसी की। क्लीन एंड जर्क में भी पहला प्रयास सफल नहीं रहा, लेकिन दूसरे प्रयास में उन्होंने 160 किलोग्राम वजन उठाकर शानदार प्रदर्शन किया। तीसरे प्रयास में 170 किलोग्राम उठाने की कोशिश सफल नहीं हो सकी, फिर भी कुल 286 किलोग्राम वजन के साथ उन्होंने रजत पदक अपने नाम कर लिया। इस स्पर्धा का स्वर्ण मलेशिया के अजनिल मुहम्मद ने 299 किलोग्राम के कॉमनवेल्थ रिकॉर्ड के साथ जीता। राजा मुतुपंडि का यह सफर किसी प्रेरक कहानी से कम नहीं है। वर्ष 2018 में कॉमनवेल्थ गेम्स में पदार्पण करने वाले राजा तब छठे स्थान पर रहे थे। इसके बाद 2019 में कोहनी की गंभीर चोट के कारण उन्हें सर्जरी

संघर्ष की मिसाल बना भारतीय वेटलिफ्टर

करानी पड़ी। महामारी के दौरान उनका पुनर्वास भी प्रभावित हुआ। 2022 के खेलों की तैयारी के बीच उन्हें पीलिया हो गया और फिर अपेंडिक्स की सर्जरी करानी पड़ी, जिससे लगभग दस महीने तक वह खेल से दूर रहे। इन तमाम मुश्किलों के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। लगातार मेहनत और आत्मविश्वास के दम पर राजा ने शानदार वापसी की। इसी वर्ष राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 302 किलोग्राम वजन उठाकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया और फिर कॉमनवेल्थ गेम्स में रजत पदक जीतकर साबित कर दिया कि मजबूत इरादों के सामने चोट, बीमारी और कठिन परिस्थितियां भी टिक नहीं सकतीं। उनका यह प्रदर्शन भारतीय खेल जगत के लिए प्रेरणा का नया अध्याय बन गया।

यश के साथ मस्ती भरे अंदाज ने भी जीता प्रशंसकों का दिल

'राम' बनने पर उठे सवालों का रणबीर ने दिया जवाब

यूनिक समय, नई दिल्ली। नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है। फिल्म में भगवान राम की भूमिका निभा रहे रणबीर कपूर की कास्टिंग को लेकर सोशल मीडिया पर लंबे समय से बहस जारी है। सैन डिएगो कॉमिक-कॉन 2026 में आयोजित प्रमोशनल इवेंट के दौरान रणबीर ने पहली बार इन आलोचनाओं पर खुलकर प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि जब उन्हें भगवान राम की भूमिका का प्रस्ताव मिला तो सबसे पहले उनके मन में यही सवाल आया कि क्या वे इस जिम्मेदारी के योग्य हैं। रणबीर ने कहा कि राम का कोई एक निश्चित चेहरा नहीं होता, हर व्यक्ति की अपनी आस्था और कल्पना होती है। ऐसे में किसी एक अभिनेता को सही या गलत कहना उचित नहीं है। उनके अनुसार इस किरदार को निभाने के लिए सबसे जरूरी बात साफ नीयत, समर्पण और भगवान राम के आदर्शों में विश्वास है।

इवेंट में फिल्म में रावण का किरदार निभा रहे कन्नड़ सुपरस्टार यश ने भी रणबीर की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि भगवान राम जैसे महान चरित्र को पर्दे पर जीवंत करना बेहद कठिन जिम्मेदारी है, लेकिन रणबीर ने इसके लिए पूरी ईमानदारी और मेहनत से तैयारी की है। यश ने विश्वास जताया कि दर्शकों को पर्दे पर उनका शानदार अभिनय देखने को मिलेगा।

कॉमिक-कॉन के दौरान एक और दिलचस्प पल देखने को मिला, जिसने सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरीं। इंटरव्यू के बीच रणबीर और यश बच्चों की तरह बैठकर अपने-अपने किरदारों की तस्वीरों में रंग भरते नजर आए। रणबीर भगवान राम और यश रावण के स्केच में रंग भरते दिखे। दोनों का यह मासूम और बेफिक्र अंदाज फैंस को खूब पसंद आया। सोशल मीडिया पर यूजर्स ने उन्हें प्यार से 'पूकी गर्ल डैड्स' कहा और लिखा कि दोनों अपनी बेटियों के साथ घर पर भी शायद ऐसे ही समय बिताते होंगे।

करीब 4,000 करोड़ रुपये के बजट में बन रही 'रामायण' भारतीय सिनेमा की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में गिनी जा रही है। फिल्म के पहले भाग के दिवाली 2026 में रिलीज होने की तैयारी है, जिसमें रणबीर कपूर, यश, साई पल्लवी, सनी देओल और रवि दुबे समेत कई बड़े सितारे अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

ईशान का बल्ला बना रन मशीन खास सूची में बनाई जगह

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में दमदार वापसी करते हुए साल 2026 को अपने करियर का यादगार वर्ष बना दिया है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई तीन मैचों की टी20 सीरीज में शानदार बल्लेबाजी के दम पर उन्होंने इस कैलेंडर वर्ष में 800 से अधिक रन पूरे कर लिए। इसके साथ ही ईशान भारत के केवल तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने एक ही साल में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यह उपलब्धि हासिल की है। इससे पहले यह कारनामा केवल सूर्यकुमार यादव और अभिषेक शर्मा के नाम दर्ज था।

टी20 क्रिकेट में ईशान का बल्ला लगातार रन उगल रहा है। वर्ष 2026 में उन्होंने अब तक 23 मैचों में 812 रन बनाए हैं और सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इस सूची में शीर्ष पर ऑस्ट्रिया के करनबीर सिंह हैं, जिन्होंने 21 मुकाबलों में 846 रन बनाए हैं। वहीं वेस्टइंडीज के शिमरन हेटमायर 566 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं। आंकड़े बताते हैं कि इस साल अब तक केवल दो बल्लेबाज ही 800 रन का आंकड़ा पार कर सके हैं।

भारतीय क्रिकेट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा टी20 इंटरनेशनल रन बनाने का रिकॉर्ड अभी भी सूर्यकुमार यादव के नाम है। उन्होंने 2022 में 31 मैचों में 1164 रन बनाए थे। इसके बाद अभिषेक शर्मा ने 2025 में 21 मुकाबलों में 859 रन बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया था। अब 812 रन के साथ ईशान किशन इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल हो चुके हैं और उनके पास अभिषेक शर्मा को पीछे छोड़ने का शानदार मौका भी है।

जिम्बाब्वे दौरे पर ईशान ने तीनों

जिम्बाब्वे सीरीज में शानदार प्रदर्शन के दम पर टी20 इंटरनेशनल में नया मुकाम

मुकाबलों में उपयोगी पारियां खेलीं। पहले मैच में 35 रन, दूसरे मुकाबले में शानदार 81 रन और तीसरे मैच में 29 रन बनाकर उन्होंने टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उनकी बेहतरीन बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने सीरीज में मेजबान टीम का 3-0 से सफाया किया।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी और वीवीएस लक्ष्मण के मार्गदर्शन में टीम इंडिया ने शानदार प्रदर्शन किया। अब क्रिकेट प्रेमियों की नजर ईशान किशन पर टिकी है कि क्या वह अपने शानदार फॉर्म को बरकरार रखते हुए इस साल सबसे ज्यादा टी20 इंटरनेशनल रन बनाने वाले बल्लेबाज बन पाएंगे।

'बिट्टू-बिट्टी' की जोड़ी ने जीता दिल और ट्रॉफी

यूनिक समय, नई दिल्ली। टीवी के चर्चित रियलिटी शो 'लाफ्टर शेफ्सः अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट सीजन 3' को आखिरकार अपना विजेता मिल गया है। पूरे सीजन में अपनी शानदार केमिस्ट्री, बेहतरीन कुकिंग और जबरदस्त मनोरंजन से दर्शकों का दिल जीतने वाली अली गोनी और जन्नत जुबैर की जोड़ी ने ग्रैंड फिनाले में ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

शो में दोनों को प्यार से 'बिट्टू' और 'बिट्टी' कहा जाता था और यही नाम फैंस के बीच भी खूब लोकप्रिय हुआ। भारती सिंह की मजेदार मेजबानी और शेफ हरपाल सिंह सोखी के मार्गदर्शन में चले इस सीजन में कई कठिन कुकिंग टास्क और रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, लेकिन अली और जन्नत ने हर चुनौती का डटकर सामना करते हुए खुद को सबसे मजबूत टीम साबित किया।

जीत के बाद जन्नत जुबैर ने सोशल मीडिया पर ट्रॉफी के साथ कई तस्वीरें साझा कर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने भावुक संदेश में लिखा कि यह सफर अली गोनी के बिना अधूरा होता और इस शो ने उन्हें एक बेहतरीन दोस्त भी दिया।

सोशल मीडिया पर फैंस ने दी जमकर बधाई

दोनों ने दर्शकों के प्यार और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। उनकी पोस्ट पर फैंस और टीवी सितारों ने भी जमकर बधाइयां दीं।

पूरे सीजन में अली गोनी का आत्मविश्वास और जन्नत की सीखने की ललक दर्शकों को खूब पसंद आई।

दोनों ने मुश्किल से मुश्किल रेसिपी को टीमवर्क के दम पर शानदार तरीके से पूरा किया और हर एपिसोड में अपनी छाप छोड़ी। उनकी आपसी समझ और सकारात्मक ऊर्जा ने उन्हें अन्य जोड़ियों से अलग पहचान दिलाई।

ग्रैंड फिनाले को और खास बनाने के लिए निर्देशक रोहित शेट्टी और उनके आगामी शो 'खतरों के खिलाड़ी' के प्रतिभागियों ने भी मंच पर शिरकत की। स्टंट, कॉमेडी और कुकिंग के शानदार संगम के बीच जब विजेता के रूप में अली गोनी और जन्नत जुबैर के नाम की घोषणा हुई तो पूरा सेट तालियों से गूंज उठा। इसके साथ ही 'लाफ्टर शेफ्स सीजन 3' का यादगार सफर शानदार अंदाज में संपन्न हुआ।

राम चरण की कलाई की हुई जटिल सर्जरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। साउथ सुपरस्टार राम चरण के प्रशंसकों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। फिल्म 'पेड्डी' की शूटिंग के दौरान घायल हुए अभिनेता की दाहिने हाथ की कलाई की सफल सर्जरी हो गई है। एक्शन सीक्वेंस के दौरान लगी चोट समय के साथ गंभीर हो गई थी, जिसके बाद डॉक्टरों ने तत्काल ऑपरेशन की सलाह दी। इसके लिए उन्हें कोयंबटूर के प्रसिद्ध गंगा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

राम चरण की टीम के अनुसार ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा और उनकी हालत अब स्थिर है। यह कलाई की बेहद पेचीदा सर्जरी थी, जिसे अत्याधुनिक तकनीक की मदद से पूरा किया गया। इलाज का नेतृत्व गंगा अस्पताल के चेयरमैन और जाने-माने आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. एस. राजशेखरन ने किया। उनके साथ अमेरिका के मियामी से प्रसिद्ध हैंड एंड रिस्ट सर्जन डॉ. एलेजांद्रो बादिया, डॉ. प्रवीण भारद्वाज और अन्य विशेषज्ञ भी शामिल रहे।

इलाज के दौरान राम चरण का पूरा परिवार उनके साथ मौजूद रहा। पिता चिरंजीवी, मां सुरेखा और पत्नी उपासना लगातार अस्पताल में उनकी देखभाल करते रहे। मेडिकल टीम का कहना है कि अभिनेता तेजी से स्वस्थ हो रहे हैं, लेकिन शूटिंग पर लौटने से पहले उन्हें निर्धारित रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम पूरा करना होगा, ताकि कलाई पूरी तरह मजबूत हो सके।

राम चरण के परिवार ने इस मुश्किल समय में मिले प्रशंसकों के प्यार, शुभकामनाओं और दुआओं के लिए आभार व्यक्त किया है। सोशल मीडिया पर भी फैंस उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। अभिनेता के जल्द ही पूरी तरह फिट होकर अपनी आगामी फिल्मों की शूटिंग दोबारा शुरू करने की उम्मीद जताई जा रही है। उनकी बहुप्रतीक्षित परियोजनाओं को लेकर दर्शकों में पहले से ही उत्साह बना हुआ है और अब सभी उनकी दमदार वापसी का इंतजार कर रहे हैं।

अस्पताल में लगी भीषण आग 35 लोगों को निकाला सुरक्षित

एसी कंप्रेसर फटने से भड़की आग, मची अफरातफरी

दमकल कर्मियों ने धुएं के बीच चलाया रेस्क्यू अभियान

एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

यूनिक समय, हापुड़ । हापुड़ के गढ़ रोड स्थित देवनंदिनी अस्पताल में रविवार देर रात भीषण आग लगने से अफरातफरी मच गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, अस्पताल की पहली मंजिल पर एक निजी कक्ष में लगे एयर कंडीशनर के कंप्रेसर में विस्फोट होने के बाद आग भड़क उठी। देखते ही देखते लपटों और घने धुएं ने पूरी मंजिल को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के समय अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों में दहशत फैल गई।

सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की कई गाड़ियां, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। दमकल कर्मियों ने ब्रीदिंग अपरेटस पहनकर धुएं से भरे भवन में प्रवेश किया और रेस्क्यू अभियान शुरू किया। सबसे पहले पहली मंजिल पर भर्ती 32 मरीजों तथा नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में भर्ती तीन शिशुओं को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल के दूसरे ब्लॉक के आपातकालीन वार्ड में स्थानांतरित किया गया।

इसके अलावा भूतल पर मौजूद अन्य लोगों को भी सुरक्षित बाहर निकाला गया।

करीब एक घंटे तक चले अभियान के बाद दमकल विभाग ने आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया। इसके बाद स्मोक एग्जॉस्टर की सहायता से भवन में भरा धुआं बाहर निकाला गया और स्थिति सामान्य की गई। अधिकारियों के अनुसार, समय पर राहत एवं बचाव कार्य शुरू होने से कोई जनहानि नहीं हुई और सभी मरीज सुरक्षित हैं।

पुलिस एवं अग्निशमन विभाग ने बताया कि अस्पताल के पास अग्निशमन अनापत्ति प्रमाणपत्र (फायर एनओसी) उपलब्ध था। प्रारंभिक जांच में एसी कंप्रेसर में विस्फोट को आग का संभावित कारण माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों की विस्तृत जांच जारी है। प्रशासन ने अस्पताल प्रबंधन से सुरक्षा मानकों से जुड़े सभी दस्तावेज भी मांगे हैं, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

ताजमहल में विदेशी पर्यटक को बंदर ने काटा मची अफरातफरी

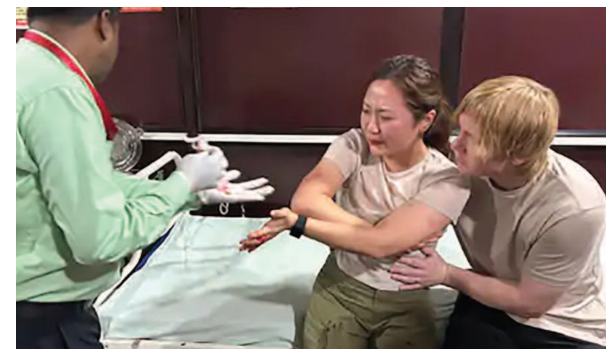

एक घंटे तक नहीं पहुंची एंबुलेंस, बढ़ी परेशानी

प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल भेजी गई पर्यटक

एएसआई ने चालक की लापरवाही पर रिपोर्ट भेजी

यूनिक समय, आगरा। आगरा के ताजमहल परिसर में दक्षिण कोरिया की एक महिला पर्यटक को बंदर ने काट लिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना उस समय हुई जब महिला अपने साथी का टिकट काउंटर के पास इंतजार कर रही थीं। अचानक आए बंदर ने उनके दाहिने हाथ पर हमला कर दिया, जिससे खून बहने लगा और वह दर्द से कराह उठीं। आसपास मौजूद लोगों ने बंदर को भगाया और तुरंत सहायता के प्रयास शुरू किए। घटना के बाद सुरक्षा कर्मियों और एएसआई कर्मचारियों ने एंबुलेंस बुलाने के लिए चालक से संपर्क किया, लेकिन बार–बार आश्वासन मिलने के बावजूद करीब एक घंटे तक एंबुलेंस मौके पर नहीं पहुंची। इस दौरान घायल पर्यटक दर्द से परेशान रहीं। बाद में उन्हें ताजमहल परिसर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार किया गया।

प्राथमिक उपचार के बाद बैटरी कार की सहायता से महिला पर्यटक को शहर के अस्पताल भेजा गया। घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर भी सामने आए, जिनमें घायल पर्यटक और उनके साथी मदद मांगते दिखाई दे रहे हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने एंबुलेंस चालक की लापरवाही को गंभीर मानते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को रिपोर्ट भेजी है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही ताजमहल परिसर में बंदरों के बढ़ते आतंक को नियंत्रित करने और पर्यटकों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया जा रहा है।

वाहनों में तोड़फोड़ करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई: डिप्टी सीएम

तोड़फोड़ पर तीन मुकदमे हुए दर्ज

हिंसा फैलाने वालों की जांच के बाद होगी कार्रवाई

यूनिक समय, प्रयागराज। प्रयागराज में छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसा और तोड़फोड़ पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण आंदोलन करने वाले छात्रों पर कोई कार्रवाई नहीं होगी, लेकिन हिंसा और कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाले लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि आंदोलन की आड़ में कुछ असामाजिक तत्व शामिल होकर उपद्रव फैलाने की कोशिश कर रहे थे।

केशव मौर्य ने कहा कि सरकार छात्रों की भावनाओं का सम्मान करती है और पेपर लीक जैसे मुद्दों पर उनकी चिंता को समझती है। हालांकि, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और वाहनों में तोड़फोड़ करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। 25 जुलाई को हुए आंदोलन के दौरान कई वाहनों में तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आईं। पुलिस ने अलग–अलग शिकायतों के आधार पर तीन एफआईआर दर्ज की हैं। अधिकारियों के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है।

पुलिस का कहना है कि हिंसा में शामिल सभी लोगों को चिन्हित कर कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी, जबकि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले छात्रों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

राम मंदिर चढ़ावा जांच में सुप्रीम कोर्ट हुआ सख्त

एसआईटी में वित्तीय विशेषज्ञों को शामिल करने का निर्देश

दो सप्ताह में जांच प्रगति रिपोर्ट मांगी सर्वोच्च अदालत

यूनिक समय, अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि चढ़ावा चोरी प्रकरण की सुनवाई के दौरान सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने जांच प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए अहम निर्देश जारी किए। भारत के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट और एक फोरेंसिक ऑडिटर को भी शामिल किया जाए, ताकि वित्तीय लेनदेन और चढ़ावे से जुड़े सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच हो सके।

सुनवाई के दौरान अदालत ने स्पष्ट किया कि उसका प्राथमिक उद्देश्य निष्पक्ष और भरोसेमंद जांच सुनिश्चित करना है। न्यायालय ने कहा कि एसआईटी बिना किसी दबाव के अपना कार्य पूरा करे और तथ्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाए। अदालत ने यह भी माना कि वित्तीय विशेषज्ञों की भागीदारी से संभावित अनियमितताओं का तकनीकी और सटीक विश्लेषण संभव होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने विस्तारित एसआईटी को निर्धारित समय–सीमा में जांच आगे बढ़ाने का निर्देश देते हुए दो सप्ताह के भीतर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। अगली सुनवाई में अदालत जांच की स्थिति की समीक्षा करेगी और आवश्यकता पड़ने पर आगे के निर्देश जारी करेगी।

मामला राम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच से संबंधित है, जिस पर पहले भी सर्वोच्च न्यायालय कई बार सुनवाई कर चुका है। अदालत ने संकेत दिया कि जांच की पारदर्शिता और विश्वसनीयता सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा यदि किसी स्तर पर वित्तीय गड़बड़ी सामने आती है तो उसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। अब सभी की निगाहें दो सप्ताह बाद होने वाली अगली सुनवाई और एसआईटी की प्रगति रिपोर्ट पर टिकी हैं।

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी ने सुनीं जनसमस्याएं

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों की शिकायतें और समस्याएं सुनीं। उन्होंने प्रत्येक फरियादी से संवाद करते हुए भरोसा दिलाया कि किसी भी नागरिक को न्याय और सहायता से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार जनहित के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और हर समस्या का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त शिकायतों का तत्काल संज्ञान लेकर निष्पक्ष और प्रभावी कार्रवाई करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनसमस्याओं के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। जनता दर्शन के माध्यम से लोगों ने भूमि विवाद, राजस्व, पुलिस, स्वास्थ्य, पेंशन और अन्य प्रशासनिक मामलों से जुड़ी शिकायतें मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं, जिनके शीघ्र समाधान के निर्देश दिए गए।

भाजपा टिकट दौड़ तेज, नए दावेदारों की बढ़ी हलचल

अगस्त सितंबर में होगा प्रत्याशियों का चौथा सर्वे अभियान

देहात सीट पर कई नए चेहरे चर्चा में शामिल

यूनिक समय, मुरादाबाद। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी में टिकट की दावेदारी को लेकर गतिविधियां तेज हो गई हैं। पार्टी अब तक तीन चरणों में सर्वे करा चुकी है, जबकि चौथा सर्वे अगस्त–सितंबर में प्रस्तावित है। इसी बीच मुरादाबाद देहात विधानसभा सीट पर दावेदारों की संख्या लगातार बढ़ने लगी है और कई नए नाम राजनीतिक चर्चाओं में शामिल हो गए हैं।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, पहले तीन सर्वे में देहात सीट से डॉ. केके मिश्रा, श्याम बिहारी मिश्रा और रजनीकांत जाटव के नाम प्रमुख रूप से सामने आए थे। अब इनके अलावा पूर्व महानगर अध्यक्ष धर्मेंद्रनाथ मिश्रा, पूर्व महानगर मंत्री शशि किरण जाटव, महानगर मंत्री सुनीता शर्मा और वनीता मेहरोत्रा सहित कई अन्य नेताओं के नाम भी टिकट के संभावित दावेदारों में चर्चा का विषय बने हुए हैं।

जिले की छह विधानसभा सीटों पर अब तक हुए सर्वे में लगभग 20 संभावित दावेदारों के नाम सामने आए हैं। कांठ, बिलारी और ठाकुरद्वारा विधानसभा क्षेत्रों में भी नए चेहरों की चर्चा तेज हो गई है, जबकि मुरादाबाद नगर और कुंदरकी सीटों पर फिलहाल कोई नया नाम सामने नहीं आया है।

भाजपा जिलाध्यक्ष आकाश पाल ने कहा कि टिकट की दावेदारी करना प्रत्येक कार्यकर्ता का अधिकार है, लेकिन अभी आवेदन लेने की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रत्याशियों के चयन का अंतिम निर्णय प्रदेश और राष्ट्रीय नेतृत्व करेगा। ऐसे में चौथे सर्वे के बाद टिकट की दौड़ और अधिक रोचक होने की संभावना मानी जा रही है।

डिजिटल लेबर चौक एप से घर बैठे मिलेगा श्रमिकों का साथ

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश श्रम विभाग ने डिजिटल लेबर चौक मोबाइल एप लॉन्च किया है, जिससे राजमिस्त्री, प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन, बढ़ई और अन्य श्रमिकों को घर बैठे काम मिलेगा। नियोक्ता भी एप पर पंजीकरण कर आवश्यक श्रमिकों की संख्या, कार्य, मजदूरी और स्थान की जानकारी देकर सीधे काम उपलब्ध करा सकेंगे। श्रमिक अपने कौशल के अनुसार रोजगार खोज सकेंगे और सरकारी योजनाओं की जानकारी भी प्राप्त करेंगे। एप का उद्देश्य श्रमिकों और नियोक्ताओं को एक ही डिजिटल मंच पर जोड़कर रोजगार प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और तेज बनाना है।

बेंगलुरु कार गैराज में भीषण आग, पच्चीस वाहन स्वाहा

शॉर्ट सर्किट की आशंका, जांच में जुटी पुलिस टीम

दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

यूनिक समय, नई दिल्ली। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के थनीसंद्रा क्षेत्र में सोमवार तड़के एक कार गैराज में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि गैराज में खड़ी 25 से अधिक कारें देखते ही देखते जलकर राख हो गईं। इनमें कई लग्जरी वाहन भी शामिल बताए जा रहे हैं।

घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और उसे आसपास की इमारतों तक फैलने से रोक दिया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि वास्तविक कारण का पता लगाने के लिए पुलिस और फायर विभाग जांच कर रहे हैं। संपीगेहल्ली थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

मानसून की पिकनिक बनी काल, तीन परिवारों में मातम

लापरवाही के कारण गहरे पानी में डूबे तीन लोग

प्रशासन की चेतावनी के बावजूद हादसे नहीं थम रहे

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में मानसून के दौरान पिकनिक मनाने पहुंचे लोगों के लिए लापरवाही जानलेवा साबित हुई। इंदौर और महेश्वर क्षेत्र में पानी में डूबने की तीन अलग–अलग घटनाओं में दो किशोरों की मौत हो गई, जबकि एक युवक तेज बहाव में बह गया। उसकी तलाश के लिए रेस्क्यू अभियान लगातार जारी है।

पहली घटना महू के प्रसिद्ध लोधिया कुंड में हुई, जहां 17 वर्षीय किशोर नहाते समय गहरे पानी में डूब गया। दूसरी घटना चोरल डैम में हुई, जहां 15 वर्षीय किशोर का पैर फिसलने से वह गहराई में समा गया। दोनों के शव गोताखोरों की मदद से बाहर निकाले गए। वहीं महेश्वर की सहस्त्रधारा में 30 वर्षीय युवक नर्मदा नदी के तेज बहाव में बह गया। पुलिस, एसडीआरएफ और स्थानीय गोताखोर उसकी तलाश में जुटे हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि बारिश के मौसम में नदी, बांध और झरनों के आसपास सुरक्षा नियमों का पालन करें तथा चेतावनी बोर्डों की अनदेखी न करें।

पशु तस्करी की बड़ी कोशिश विफल, चार आरोपी गिरफ्तार

गुप्त सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर दबिश दी

28 गौवंश बरामद, जांच हुई और तेज

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के अंडाल क्षेत्र में पुलिस ने गौवंश तस्करी की एक बड़ी कोशिश को नाकाम करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गुप्त सूचना के आधार पर नेशनल हाईवे–19 पर घेराबंदी कर एक लॉरी को रोका गया, जिसमें बड़ी संख्या में मवेशी ले जाए जा रहे थे। तलाशी के दौरान पुलिस ने छह गाय, दस भैंस और आठ बछड़ों समेत कुल 28 मवेशी बरामद किए। सभी पशुओं को सुरक्षित कब्जे में लेकर उपचार और देखभाल के लिए रानीगंज स्थित गौशाला भेज दिया गया।

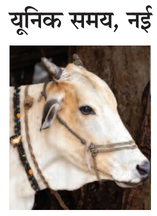

पुलिस ने लॉरी के चालक, खलासी सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर दुर्गापुर अदालत में पेश किया। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि मवेशियों को कहां ले जाया जा रहा था और तस्करी के इस नेटवर्क में कौन–कौन शामिल है।

पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच जारी है और पूरे गिरोह का पर्दाफाश करने के लिए आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। अवैध मवेशी तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ई–20 विवाद पर गडकरी पहुंचे हाईकोर्ट, दायर किया मानहानि का मुकदमा

डीपफेक वीडियो हटाने सहित कार्रवाई की अदालत से मांग

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ई20 एथेनॉल ब्लेंडिंग नीति से जुड़े कथित डीपफेक वीडियो और भ्रामक सोशल मीडिया पोस्ट के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में मानहानि का मुकदमा दायर किया है। अदालत ने याचिका स्वीकार करते हुए अंतरिम राहत की मांग पर सुनवाई के लिए मामला सूचीबद्ध कर लिया है। याचिका में मेटा, एक्स सहित कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और अन्य पक्षों को प्रतिवादी बनाया गया है। गडकरी का कहना है कि उनके और उनके परिवार को ई-20 नीति से निजी लाभ मिलने के दावे पूरी तरह झूठे, निराधार और मानहानिकारक हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि एथेनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अधीन संचालित होता है। गडकरी ने अदालत से डीपफेक वीडियो और भ्रामक सामग्री हटाने, उनके प्रसार पर रोक लगाने तथा जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई के निर्देश देने की मांग की है। मामले को लेकर अब हाईकोर्ट की सुनवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं।

पेपर लीक पर शिकंजा, संसद में सख्त विधेयक पेश

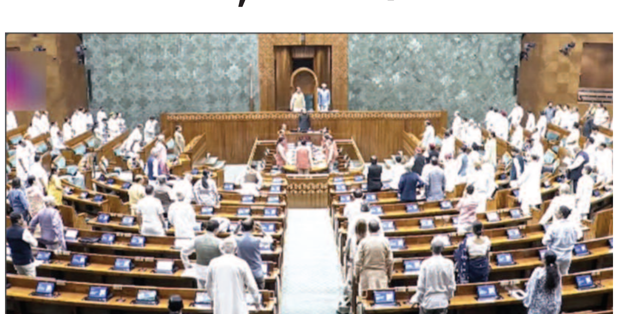

दस साल कारावास और भारी जुर्माने का प्रावधान प्रस्तावित

फास्ट ट्रैक अदालतों में होगी मामलों की त्वरित सुनवाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। देशभर में प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और नकल की घटनाओं पर रोक लगाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने सोमवार को लोकसभा में पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पेश किया। सरकार का कहना है कि नया विधेयक परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। विधेयक केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सदन में प्रस्तुत किया।

प्रस्तावित कानून के अनुसार, पेपर लीक या परीक्षा में अनुचित साधनों का उपयोग करने वालों को कम से कम पांच वर्ष और अधिकतम दस वर्ष तक कारावास की सजा हो सकती है। इसके साथ 50 लाख रुपये तक जुर्माना लगाने का भी प्रावधान किया गया है। यदि अपराध संगठित गिरोह द्वारा किया गया पाया जाता है, तो दोषियों पर 10 करोड़ रुपये तक जुमाना और कठोर दंड का प्रावधान रहेगा।

विधेयक में जांच और न्यायिक प्रक्रिया को समयबद्ध बनाने पर विशेष जोर दिया गया है। प्रस्ताव के अनुसार, पेपर लीक मामलों की जांच दो महीने के भीतर पूरी करनी होगी, जबकि चार्जशीट दाखिल होने के बाद तीन महीने के भीतर फास्ट ट्रैक अदालत में फैसला सुनाने का लक्ष्य रखा गया है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को ऐसे मामलों के लिए विशेष अदालतें गठित करने का अधिकार भी दिया जाएगा।

सरकार को आवश्यकता पड़ने पर विशेष जांच दल (स्पेशल टास्क फोर्स) गठित करने की शक्ति भी मिलेगी। साथ ही परीक्षा केंद्रों के प्री–ऑडिट, अभ्यर्थियों की बायोमेट्रिक पहचान, सुरक्षित प्रश्नपत्र प्रणाली, निगरानी व्यवस्था और दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए स्पष्ट दिशा–निर्देश जैसे प्रावधान भी जोड़े गए हैं।

विधेयक में प्रश्नपत्र लीक, ओएमआर शीट से छेड़छाड़, फर्जी प्रवेश पत्र, नकली वेबसाइट और अन्य परीक्षा संबंधी धोखाधड़ी सहित 15 प्रकार की गतिविधियों को दंडनीय अपराध बनाने का प्रस्ताव रखा गया है। विपक्ष ने इस दौरान विरोध दर्ज कराया, जबकि सरकार ने इसे युवाओं के भविष्य की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम बताया।

संसद पहुंचे धर्मेंद्र प्रधान, एनडीए सांसदों ने किया सम्मान स्वागत

मकरद्वार पर पाग पहनाकर सांसदों ने जताया पूरा समर्थन

इस्तीफे के बाद पहली बार दिखी राजनीतिक एकजुटता खुलकर

यूनिक समय, नई दिल्ली। शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद धर्मेंद्र प्रधान सोमवार को पहली बार संसद पहुंचे, जहां एनडीए सांसदों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। संसद के मकरद्वार पर सांसदों ने उन्हें पारंपरिक पाग पहनाकर सम्मानित किया और समर्थन में जोरदार नारे लगाए। इस दौरान वहां मौजूद सांसदों ने इसे उनके प्रति सम्मान और विश्वास का प्रतीक बताया। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह स्वागत संदेश देता है कि धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा नैतिक जिम्मेदारी के आधार पर दिया गया था। संसद परिसर में इस घटनाक्रम की व्यापक चर्चा रही। दूसरी ओर, विपक्ष ने विभिन्न मुद्दों को लेकर दोनों सदनों में हंगामा किया, जिसके कारण लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही प्रभावित हुई।

गौरतलब है कि हालिया घटनाक्रम के बाद धर्मेंद्र प्रधान ने शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा दिया था। उन्होंने अपने संदेश में युवाओं के हित, लोकतांत्रिक मूल्यों और शिक्षा व्यवस्था में विश्वास बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा था कि छात्रों का भविष्य सर्वोपरि है।

जमीनी विवाद बना रणभूमि गोलियां चली, कई लोग घायल

जमीन के लेनदेन से भड़का खूनी विवाद

पुलिस कार्रवाई से गांव में बढ़ी सुरक्षा व्यवस्था

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के मधुबनी जिले के लखनौर थाना क्षेत्र के बेलही गांव में जमीन के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। जमीन के लेनदेन को लेकर दो पक्ष आमने–सामने आ गए। देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में बदल गई और दोनों ओर से लाठी–डंडे चलने लगे। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि कई राउंड फायरिंग भी हुई।

घटना में मुखिया दिलीप के सीने में गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि करीब छह अन्य लोग भी घायल हुए। घायलों को तत्काल स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर हालत होने पर दिलीप को बेहतर इलाज के लिए दरभंगा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विवाद के दौरान खेत जोतने पहुंचे ट्रैक्टर से लोगों को कुचलने की भी कोशिश की गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विष्णु देव यादव समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया तथा घटनास्थल से एक ट्रैक्टर भी जब्त किया। गांव में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। फरार आरोपियों की तलाश में लगातार छापेमारी जारी है।

पाठ्य पुस्तकों की गलतियों पर घिरी ओडिशा सरकार

नवीन पटनायक ने शिक्षा मंत्री से मांगा इस्तीफा

किताबों की त्रुटियों पर सियासी घमासान तेज

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओडिशा में स्कूली पाठ्यपुस्तकों में सामने आई गंभीर त्रुटियों को लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष नवीन पटनायक ने स्कूल एवं जनशिक्षा मंत्री नित्यानंद गोंड के इस्तीफे की मांग की है। उनका कहना है कि बच्चों की शिक्षा से जुड़े मामले में हुई लापरवाही की जिम्मेदारी शिक्षा मंत्री को लेनी चाहिए।

हाल ही में कई सरकारी पाठ्यपुस्तकों में वर्तनी, व्याकरण और तथ्यात्मक गलतियां सामने आई थीं। कुछ अध्यायों में ऐतिहासिक तथ्यों के गलत प्रकाशन और छपाई संबंधी त्रुटियों के कारण छात्रों व शिक्षकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इस मद्दे पर अभिभावकों ने भी चिंता जताई है। बीजू जनता दल ने आरोप लगाया है कि शिक्षा विभाग ने पुस्तकों की उचित जांच नहीं कराई, जिससे बड़ी संख्या में त्रुटिपूर्ण किताबें छात्रों तक पहुंच गईं। वहीं सरकार ने गलतियों में सुधार और आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया है। इस विवाद के बाद राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता और जवाबदेही को लेकर नई बहस शुरू हो गई है।

पेड़ों को बचाने के लिए शुरु की गई मुहिम रंग लाई

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। पेड़ों की जड़ों को कंक्रीट से बंद कर दिए जाने के खिलाफ गरीब एकता दल की मुहिम रंग लाई। वन विभाग और नगर निगम के अधिकारियों को लिखे पत्रों के साथ उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र को दिए ज्ञापन के बाद अब अधिकारियों की नींद टूटी।

छटीकरा मार्ग पर पेड़ों की जड़ों से कंक्रीट और सीमेंट की ईंटों को हटाकर पेड़ों की जड़ों में पानी जाने के लिए जगह बनाई गई। इस कार्य को देख गरीब एकता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष

छटीकरा मार्ग पर पेड़ों की जड़ में पानी पहुंचाने के लिए जगह बनाते मजदूर।

अब यमुना को प्रदूषण से मुक्त कराने का अभियान शुरु होगा

एडवोकेट विवेक महाजन ने कहा कि यह खुशी की बात है कि कार्यकर्ताओं की मेहनत रंग लाई है। पेड़ों को पानी मिलेगा तो वह बच सकेंगे। उन्होंने कहा कि अब यमुना को प्रदूषण से मुक्त कराने के लिए भी अभियान शुरु किया जाएगा। केंद्र सरकार से अब तक यमुना को स्वच्छ बनाने के नाम पर खर्च की गई राशि का हिसाब पूछा जाएगा।

बिजली बिल न मिलने से उपभोक्ता परेशान

यूनिक समय, मथुरा। दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के एक उपभोक्ता ने समय पर बिजली बिल जारी न होने की समस्या को लेकर प्रबंध निदेशक से स्थायी समाधान की मांग की है। उपभोक्ता भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी) के प्रवक्ता रामवीर सिंह तोमर ने प्रार्थना पत्र के माध्यम से अवगत कराते हुए कहा कि बिजली कनेक्शन संख्या 7867161000 है और उनके आवास पर प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर पैनल लगा हुआ है। लेकिन पिछले करीब एक वर्ष से सोलर पैनल लगने के बाद बिजली बिल समय पर नहीं बन रहा है। अभी तक मई और जून माह का बिजली बिल नहीं आया है। उन्होंने प्रबंध निदेशक से इस समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग करते हुए कहा कि यदि जल्द ही समस्या का निराकरण नहीं हुआ, तो वह चीफ इंजीनियर कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना देने के लिए बाध्य होंगे।

विद्यार्थी परिषद की मशाल यात्रा में गूंजे देशभक्ति के जयघोष

भूतेश्वर तिराहे पर मशाल जुलूस निकालते विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता।

यूनिक समय, मथुरा। कारगिल विजय दिवस पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद महानगर ने भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और बलिदान को नमन करते हुए मशाल यात्रा निकाली। यात्रा बीएसए महाविद्यालय से शुरू होकर भूतेश्वर तिराहे तक पहुंची, जहां कार्यकर्ताओं ने भारत माता की जय, वंदे मातरम् और भारतीय सेना अमर रहे के गगनभेदी नारों के साथ वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे प्रांत मंत्री-जिला संगठन मंत्री आनंद कठेरिया ने कहा कि कारगिल के वीर सैनिकों का बलिदान देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा। विभाग छात्रा प्रमुख साधना प्रजापति ने कहा कि कारगिल के रणबांकुरों ने अपने सर्वोच्च बलिदान से देश की सीमाओं की रक्षा कर राष्ट्र का गौरव बढ़ाया। महानगर सह मंत्री अमन पांडेय ने कहा कि कारगिल विजय दिवस केवल एक ऐतिहासिक घटना का स्मरण नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता के संकल्प को दोहराने का अवसर है।

इस दौरान जिला छात्रा प्रमुख विनीता शर्मा, जिला प्रमुख गोपेश ठाकुर, जिला संयोजक योगेंद्र चौधरी, शुभम पाल, मीनू सिसोदिया, विवेक, अनुज गोला, शिवा गौतम, कान्हा चतुर्वेदी, तान्या बारोलिया, वेदांत बारोलिया, निशांत, अतुल शर्मा, हर्ष सक्सेना, दीपक शर्मा, नंदनी, स्नेह सैनी, भूमि, ऋषभ बरनवाल, अनुष्का, उमंग अग्रवाल और कान्हा आदि कार्यकर्ताओं की सहभागिता रही।

शहीदों को श्रद्धांजलि, वीर नारियों का सम्मान

वीर नारी का सम्मान करते सेना अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। कारगिल विजय दिवस पर जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय और जिला भूतपूर्व सैनिक संघ के संयुक्त तत्वावधान में सैनिक स्मारक परिसर में श्रद्धांजलि समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में कारगिल युद्ध के शहीदों को पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए, उनके अदम्य साहस और बलिदान को नमन किया गया।

समारोह के अतिथि गोवर्धन के ब्लॉक प्रमुख विपिन चौधरी, पूर्व जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल एके सिंह, उत्तर प्रदेश एक्स सर्विसेज लीग के समन्वयक खेमचंद शर्मा नागेश, कैप्टन जवाहरलाल, पूर्व सैनिक सेवा परिषद के जिलाध्यक्ष रामपाल सिंह चौधरी, समाजवादी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष नरेश यादव का स्वागत जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमांडर जगबीर सिंह ने किया।

दीप प्रज्वलन के बाद सैनिक स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिवक्ता प्रवीण कुमार ने पूर्व सैनिकों और वीर नारियों को विधिक अधिकारों की जानकारी दी। वीर नारी सुधा ने कारगिल युद्ध की स्मृतियों को साझा किया। खेमचंद शर्मा नागेश ने ब्रज के शहीद रविकरण और गोवर्धन निवासी शहीद सिपाही सूरज सिंह के अद्वितीय पराक्रम का उल्लेख किया। समारोह में वीर नारियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक, वीर नारियां और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

प्रकृति की गोद में झूला उत्सव

पौधा रोपण करते हुए अंतरराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन की सदस्याएं।

यूनिक समय, मथुरा। अंतरराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन महानगर महिला इकाई द्वारा अध्यक्ष माधुरी अग्रवाल की अध्यक्षता में सरस्वती देवी मंदिर परिसर में प्रकृति की गोद में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गौ–पूजन और आरती से हुई। महिलाओं ने गायों को गुड़ और हरा चारा खिलाकर गौ–सेवा की, विभिन्न प्रकार के फलदार-फूलदार पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया। वहीं, सावन माह के उपलक्ष्य में नीम के पेड़ पर झूले डालकर पारंपरिक मल्हार गायन के साथ झूलन महोत्सव मनाया गया। महिलाओं ने अपने बचपन की यादों को ताजा करते हुए उत्साहपूर्वक विभिन्न सांस्कृतिक-मनोरंजक कार्यक्रम किए।

गौ–सेवा और पौधरोपण के साथ दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

कार्यक्रम में रागिनी अग्रवाल, अनीता अग्रवाल द्वारा आयोजित पंक्चुअलिटी प्रतियोगिता में वंदना अग्रवाल विजेता रहीं। हाउजी प्रतियोगिता में निर्मला, राधा सहित अन्य प्रतिभागियों ने बाजी मारी। इस मौके पर मोहिनी बंसल, एकता बंसल, रंजना अग्रवाल, प्रेम गुप्ता, रेनू अग्रवाल, अनीता खंडेलवाल, बीना खंडेलवाल, आशा अग्रवाल, सरोज अग्रवाल, मधु अग्रवाल, सरिता खंडेलवाल, दीपाली जिंदल, शिल्पा अग्रवाल, मेघा अग्रवाल, गीता अग्रवाल आदि उपस्थित रहीं।

पत्नी ने कराई पति के खिलाफ मारपीट की रिपोर्ट

यूनिक समय, मथुरा। थाना बरसाना में एक महिला ने अपने पति के खिलाफ मारपीट करने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना बरसाना के छाता रोड नंदनी मोटर्स के समीप रहने वाली महिला ने अपने पति रामप्रसाद उर्फ छोटू निवासी चेना का थोक बरसाना पर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए उसके खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

जीवन में अपूर्व स्थान रखते हैं गुरु

अतिथियों के साथ भाषण प्रतियोगिता के विजयी छात्र।

यूनिक समय, वृंदावन। संस्कार भारती के बैनर तले निकुंजवासी कृष्णकुमार अग्रवाल की पुण्य स्मृति में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में छात्रों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता में कक्षा 7 से 12 तक के 16 छात्रों ने गुरु के महत्व विषय पर विचार प्रस्तुत किए। अतिथि विपिन शर्मा कहा कि गुरु हमारे जीवन में वह अपूर्व स्थान रखते हैं। कवि मोहन लाल मोही ने गुरु तत्व को परिभाषित करते हुए कविता का वाचन किया। अशोक अग्रवाल, मोहन लाल गौतम और कौशल किशोर भट्ट निर्णायक थे। कार्यक्रम में विजयी प्रतिभागियों को शील्ड, प्रमाणपत्र वितरित किए गए। सहभागियों का भी उपहार देकर सम्मान किया गया। छात्र समर्थ तिवारी ने प्रथम, यश शर्मा ने द्वितीय और करुणा शंकर पांडेय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संयोजन अरुण दीक्षित थे। विशिष्ट अतिथि रवि अग्रवाल थे। संस्कार भारती अध्यक्ष ब्रजकिशोर त्रिपाठी ने अतिथियों को स्मृति चिह्न दिए।

सेंट्रल मेथाडिस्ट चर्च में रेव्ह श्रीपाल को विदाई, रेव्ह संजय एबल सिंह का स्वागत

सेंट्रल मेथाडिस्ट चर्च में आयोजित विदाई समारोह कार्यक्रम में मौजूद श्रद्धालु।

यूनिक समय, मथुरा। सेंट्रल मेथाडिस्ट चर्च में विशेष प्रार्थना सभा और स्वागत–विदाई समारोह का आयोजन हुआ। निवर्तमान पास्टर रेव्ह डॉ.श्रीपाल को उनकी सेवाओं, आत्मिक मार्गदर्शन और चर्च परिवार के प्रति प्रेम-समर्पण के लिए विदाई दी गई। वहीं, नए पास्टर रेव्ह संजय एबल सिंह का पास्ट्रेट कमेटी और चर्च परिवार की ओर से प्रार्थनाओं के साथ स्वागत किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना सभा से हुआ। पास्टर रेव्ह एसए सिंह ने प्रार्थना का नेतृत्व करते हुए कहा कि परमेश्वर की सबसे बड़ी आशीष शांति, भरपूरी और विश्राम है। इसके बाद निवर्तमान पास्टर रेव्ह डॉ. श्रीपाल ने प्रभु का संदेश साझा करते हुए विश्वास, प्रेम और सेवा के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इस दौरान ऊषा, अरुणा, मार्ग्रेट राज मसीह ने भजन प्रस्तुत किए, जबकि बच्चों ने एक्शन सॉन्ग पर प्रस्तुति दी। इस मौके पर कोषाध्यक्ष सुदीप,मनीष दयाल,बैका, आशा, स्वीटी, राकेश, बिलाल, मधु, विकास, विलियम, हिमांशु, जैरेश, रीमा, रोशन, रवनीत, सैमसी, सामी, अभिषेक, इंदु, रिंकू, गणेश, अमोल, शालिनी, मनीषा, अर्जुन सहित बड़ी संख्या में चर्च के सदस्य-श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अध्यात्म भूषण की उपाधि से अलंकृत हुए ब्रजमंडल के 11 धर्म गुरु

यूनिक समय, मथुरा। श्रीमद् भागवत कथा आयोजन समिति विद्वत् समाज ब्रजमंडल के तत्वावधान में सनातन संस्कृति के सूत्रधार आदिगुरु महर्षि वेद व्यास का प्रादुर्भाव समारोह परंपरागत रूप से आयोजित हुआ।

समिति संस्थापक पंडित अमित भारद्वाज की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में सर्वप्रथम गणेश, नवग्रह, पंचोमकार, षोडश मातृका पूजन के उपरांत आदि गुरु वेद व्यास का चरणाभिषेक वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य कर उपस्थित विद्वानों ने पूजन-अर्चन कर आरती की।

समिति संस्थापक, अध्यक्ष पं. शशांक पाठक, स्मारक समिति प्रमुख योगेश आवा ने संयुक्त रूप से मंगल दीप प्रज्वलन कर व्यासजी के जीवन दर्शन पर आयोजित संगोष्ठी का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में अध्यात्म भूषण की उपाधि से अलंकृत धर्म गुरुओं के साथ विप्रजन।

गोष्ठी में आचार्य राजू भैया ने कहा कि आध्यात्मिक गुरुओं का अस्तित्व महर्षि वेदव्यास से है। आचार्य लालजीभाई शास्त्री ने कहा कि आधुनिक चकाचौंध और स्वयं के महिमामंडन में कुछ आध्यात्मिक गुरुओं ने व्यासजी को बिसरा दिया है। आचार्य पूर्ण प्रकाश कौशिक ने कहा कि वायु पुराण, वराह पुराण और स्कंद पुराण में व्यास जी की इस पौराणिक स्थली का उल्लेख मिलता है।

इस अवसर पर समिति ने ब्रजमंडल के 11 धर्मगुरुओं को अध्यात्म भूषण की उपाधि से अलंकृत

आदिगुरु वेद व्यास के बिना आध्यात्मिक गुरुओं का कोई अस्तित्व नहीं

किया। कार्यक्रम में आचार्य रमाकांत गोस्वामी, पंडित घनश्याम हरियाणा, आचार्य नंदकिशोर, हरिशंकर शास्त्री, , मनोज मिश्र, यज्ञदत्त शास्त्री, विनोद गौड़, मुरारीलाल उपाध्याय, रमेश चंद्र गौड़, नरेश शर्मा बब्बू, राधारमण शास्त्री, देवकीनंदन, वैष्णवाचार्य धीरज बावरा, आचार्य नीरज पाराशर, आचार्य भुवनेश मिश्र , आचार्य राजू भइया, अमर, राजेश पाठक, गोविंद शर्मा, गिरधारी लाल मुखिया, अनंत मुखिया, सहित नन्दगांव, बरसाना, गोकुल, गोवर्धन, वृंदावन के विद्वानों-धर्माचार्यों ने सहभागिता की।